राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 28 अप्रैल 2025

वर्ष 14,अंक 19, पृष्ट 04,मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

गौवंशों से लदा ट्रक पलटने से कंडक्टर सहित सात गौवंशों की दर्दनाक मौत...03

सफदरजंग अस्पताल- चिकित्सा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है...04

पहलगाम नरसंहार पर पाक का शर्मनाक बचाव, रूस-चीन से जांच की गुहार !

स्वतंत्र प्रभात

पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले की जांच में रूस और चीन को शामिल करना चाहता है। मीडिया की एक खबर से यह जानकारी मिली है। आतंकवादियों ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गोलीबारी की जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े उसके छद्मम संगठन 'द रेसिस्टेंस फ्रंट '(टीआरएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के 'अपराधियों और षड्यंत्रकारियों 'को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। रूसी सरकार द्वारा संचालित आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी को दिए गए एक हालिया साक्षात्कार में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, "मुझे लगता है कि रूस या चीन या यहां तक कि पश्चिमी देश इस संकट में बहुत ही सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं और वे एक जांच दल भी गठित कर सकते हैं, जिसे जांच का यह काम सौंपा जाना चाहिए कि भारत या मोदी झूठ बोल रहे हैं या वह सच बोल रहे हैं। एक अंतरराष्ट्रीय दल को पता लगाने दें।" उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी अंतरराष्ट्रीय जांच कराने का प्रस्ताव रखा है। समाचार एजेंसी ने ख्वाजा के हवाले से कहा, ‘‘ पता लगाएं कि भारत में, कश्मीर में इस घटना का दोषी कौन है और कौन इसे अंजाम दे रहा है।

बातचीत या खोखले बयानों का कोई असर नहीं होता। इस बात के कुछ सबूत तो होने ही चाहिए कि पाकिस्तान इसमें शामिल है या इन लोगों को पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त था? ये सिर्फ बयान हैं, खोखले बयान और कुछ नहीं।" इस बीच मॉस्को स्थित स्वतंत्र अमेरिकी विश्लेषक एंड्रयू कोरिबको ने कहा कि न केवल पाकिस्तान ने भारत के आरोपों का खंडन किया है, जिसकी उम्मीद थी, बल्कि शीर्ष अधिकारियों ने आश्चर्यजनक रूप से खुद को बदनाम करने वाले दो दावे किए हैं। उन्होंने कहा, "इसाक डार, जो उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री दोनों हैं, ने टिप्पणी की है कि 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम जिले में हमले करने वाले लोग स्वतंत्रता सेनानी हो सकते हैं।" कोरिबको ने ऑनलाइन मंच सबस्टैक पर अपने न्यूजलेटर में लिखा, " कश्मीर संघर्ष के बारे में किसी के विचार चाहे जो भी हों, पर्यटकों का नरसंहार निर्विवाद रूप से आतंकवादी कृत्य है, उनके धर्म के आधार पर हत्या की तो बात ही छोड़ दीजिए। यह अनुमान लगाना कि अपराधी ‘स्वतंत्रता सेनानी हो सकते ह 'दुनिया भर के सच्चे स्वतंत्रता सेनानियों को बदनाम करता है और चतुराई से आतंकवाद को उचित ठहराता है।" पहलगाम आतंकवादी हमले के बारे में एक शीर्ष पाकिस्तानी अधिकारी द्वारा किया गया दूसरा खुद को बदनाम करने वाला दावा रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की ओर से किया गया है।

पहलगाम में बहे खून का हिसाब, अखिलेश बोले- 'आतंकवाद के खिलाफ कठोर कदम उठाए, पूरा देश सरकार के साथ '

स्वतंत्र प्रभात

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार आतंकवाद और आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए और पूरा देश सरकार के साथ है। यादव ने कुशीनगर पहुंचकर पूर्व विधायक पूर्णमासी देहाती एवं पूर्व जिलाध्यक्ष शुकरूल्ला अंसारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार इस अवसर पर मीडिया से बातचीत में यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार आतंकवाद और आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए, पूरा देश सरकार के साथ है।

पहलगाम की चूक अब नहीं दोहरानी चाहिए- अखिलेश

उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार ठोस कदम उठाएगी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले की घटना बेहद दुःखद और निन्दनीय है। हम सभी लोग उत्तर प्रदेश से लेकर गुजरात, हरियाणा और देश के अन्य राज्यों के पीड़ित परिवारों के साथ हैं। यादव ने कहा कि सरकार ने पाकिस्तान को जवाब देने के लिए जो फैसले लिए है उसमें सभी सरकार के साथ हैं। पूरा देश चाहता है कि भविष्य में पहलगाम जैसी घटना न हो। उन्होंने कहा कि सरकार को हर तरह से समर्थन है और उम्मीद है कि भविष्य में सुरक्षा में कोई चूक नहीं होगी....।

अग्निवीर से टूटा युवाओं का भरोसा, मनोबल पर चोट- अखिलेश

यादव ने कहा कि देश का हर नागरिक बड़े, बुजुर्ग, बच्चे सभी लोग इस घटना से चिन्तित है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। हमें उम्मीद है कि देश की सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार ने जो आश्वासन दिया है, उस पर अमल करेगी। यादव ने कहा कि हमारी फौज बहुत बहादुर है लेकिन भाजपा सरकार ने सेना में अग्निवीर योजना लाकर नौजवानों का मनोबल गिराने का काम किया। नौजवान सेना में रहकर देश की सेवा करना चाहता है। पक्की वर्दी और पक्की नौकरी चाहता है। कुशीनगर, गाजीपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों के गांवों के तमाम नौजवान फौज में जाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी करते थे, लेकिन अग्निवीर योजना आने से नौजवानों में निराशा है।

5 करोड़ और नौकरी के बाद ही जाऊंगा शुभम के घर- अखिलेश

एक सवाल के जवाब में यादव ने कहा कि उनकी पार्टी के लोग कानपुर में शुभम द्विवेदी के घर गए थे। शुभम उन 26 लोगों में शामिल था जो पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए थे। सपा प्रमुख ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से शुभम के घर नहीं गए लेकिन इसे राजनीति के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवारों को 5 करोड़ रूपए और सरकारी नौकरी देने की मांग करते हुए कहा कि जिस दिन सरकार 5 करोड़ रूपए और सरकारी नौकरी दे देगी उसी दिन वह भी कानपुर के शहीद शुभम द्विवेदी के घर जाएंगे।

प्रधानमंत्री के सरकारी नौकरियों में चयनित 51000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का किया गया सजीव प्रसारण

केन्द्रीय राज्यमंत्री ने कार्यक्रम में 25 व कुल 125 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र का किया गया वितरण।

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा शनिवार को वर्चुअल माध्यम से सरकारी नौकरियों में चयनित 51000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए जाने हेतु देश के 47 स्थानों पर आयोजित 15वें रोजगार मेले को रिमोट का बटन दबाकर लांच किया। जनपद प्रयागराज में 15वें रोजगार मेले का आयोजन उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में हुआ, जिसमें राज्यमंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं रसायन एवं उर्वरक विभाग भारत सरकार अनुप्रिया पटेल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। कार्यक्रम में मंत्री द्वारा विभिन्न पदों पर चयनित 25 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। 125 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। देश के युवाओं को सरकारी नौकरी देने की संकल्प सिद्धि हेतु प्रधानमंत्री के द्वारा विभिन्न सरकारी विभागों व संस्थाओं में नवचयनित 51 हजार से अधिक युवाओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र दिया।

इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र हेतु बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि आप सभी ने यह पद अपनी मेहनत और लगन से प्राप्त किया है। जन सेवा की भावना सर्वोपरि होनी चाहिए। जब आप अपनी सेवा को सर्वोच्च मानकर काम करेंगे, तो आपके कार्यों में वो ताकत होगी जो देश को नई दिशा देगी। आपके कर्तव्य पालन और आपकी निष्ठा से ही भारत के हर नागरिक का जीवन बेहतर बनेगा। मंत्री जी ने कहा कि रोजगार सृजन केन्द्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पिछले 11 वर्षों में सरकारी नौकरी का बैकलॉग कम करने के साथ-साथ स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु सरकार ने तमाम योजनाएं क्रियान्वित की है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। युवाओं के पास न केवल ऊर्जा का भंडार है, अपितु नवाचार की शक्ति भी है। हमारी इन्हीं युवाओं की क्षमता और प्रतिभा से विकसित भारतञ्च2047 का निर्माण होगा।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में आयोजित रोजगार मेले के कार्यक्रम का सफल एवं सुगम संचालन केन्द्रीय जीएसटी एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, आयुक्तालय, इलाहाबाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्या, विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों के अलावा सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त ख़बरें

भा0 वि0 हि0 आ0 गौ रक्षा संगठन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की विरोध प्रदर्शन

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। गोला नगर के सदर चौराहे पर भारतीय विश्व हिन्दू अंतर्राष्ट्रीय गौरक्षा संगठन के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर तमाम कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।गौरक्षा संगठन के जिलाअध्यक्ष ने बताया कि कश्मीर के पहलगाम में जो हमारे हिन्दू भाइयों के साथ जो घटना घटित हुई वह बहुत निंदनीय है। उन्होंने कोई जात नहीं पूछी उन्होंने धर्म के आधार पर हमारे हिन्दू भाइयों के सिर में गोलियां मारी बहुत दर्दनाक घटना घटित है। पूरे भारत का हिंदू समाज आक्रोशित है। हिंदुओं के लिए अभी भी समय है जातियों में न बंटकर एक धर्म के हो जाओ, हमारा धर्म सिर्फ सनातन धर्म है इसके साथ पाकिस्तान पर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग प्रधानमंत्री मोदी से की है। दुबारा ऐसा दुःसाहस ना कर सके। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष लखीमपुर, जिला अनुशासन प्रमुख, नगर अध्यक्ष गोला, नगर उपाध्यक्ष गोला, तहसील उपाध्यक्ष गोला व ब्लॉक उपाध्यक्ष बेहजम आदि तमाम संगठन के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

शिवानी सिंह कुशवाहा प्रदेश में इंटर की परीक्षा में दूसरा स्थान लाई

कोरांव प्रयागराज। कोराँव तहसील के कुकरहटा गावं की शिवानी सिंह पुत्री सन्तोष कुशवाहा ने इंटरमीडिएट यूपी बोर्ड परीक्षा में 96.8त्न अंक प्राप्त कर उत्तर प्रदेश में दूसरा स्थान लाकर अपने इलाके का नाम रौशन किया शिवानी सिंह पटेल विद्यालय सीकरो की छात्रा है जहाँ लोगो का घर आना जाना लगा एक दूसरे को मिठइयां खिला कर शिवानी को आशीर्वाद दे रहे है कोरांव के पूर्व ब्लाक प्रमुख सहित काफी लोग आवास पर पहुंचकर बिटिया को बधाई दे रहे है सम्मानित कर रहे है उपस्थित सम्मानित लोगों में अशोक कुशवाहा, अजय कुशवाहा, अंबिका पाल,ओपी कुशवाहा, उपेंद्र कुशवाहा, अमरेन्द्र वर्मा, दीपू कुशवाहा, पवन सोनकर, और लोग मौजूद रहे।

आदर्श तालाब खुद प्यासे जंगली पशु पक्षी तरस रहे पानी को पुराने तालाबों को ही कर दिया गया आदर्श तालाबों में तब्दील

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी तपते सूरज से जमीन पर आग बरस रही है। चिलचिलाती धूप और भयंकर गर्मी से तालाब ही नहीं सूखे नदी नाले भी सूख चुके हैं। जिसके चलते हालत यह हो गए हैं। कि पशु पक्षियों के लिए जल संकट पैदा हो गया है। प्यास से बेहाल पशु पक्षी दम तोड़ रहे हैं। अभी तक किसी तालाब में पानी नहीं भरवाया गया है इतना ही नहीं गांवों में मनरेगा के तहत खोदे गए आदर्श तालाबों से धूल उड़ती नजर आ रही है। किसी भी तालाबों से एक बूंद पानी नहीं दिखाई पड़ रहा है। वैशाख महीना अप्रैल की गर्मी पशु पक्षियों पर भारी पड़ रही है। इन्हें पीने को पानी तक नसीब नहीं हो पा रहा है। गर्मी के चलते कई तालाब और जलाशय व झील सूख चुके हैं। यहां तक छोटी-छोटी नदियां भी प्यासी दिखाई पड़ रही है। हालात यह उत्पन्न हो रहे हैं। कि पशु पक्षी जल के अभाव में असमय काल के गाल में समा रहे हैं। पक्षियों तक को पानी मिलना मुश्किल हो रहा है। जनपद में जंगल के तालाब भी सूख रहे हैं। और तो और दुधवा नेशनल पार्क की जीवन रेखा कहीं जाने वाली सुहेली नदी सूखने की कगार पर है। जिसके चलते जंगली जानवरों को पानी की तलाश में जंगल से बाहर आबादी क्षेत्र में आने को विवश होना पड़ रहा है। जिससे उनके जीवन को खतरा होने की आशंका प्रबल हो जाती है। राजस्व विलेखो के अनुसार आज से 15 साल पूर्व जनपद में लगभग 4600 तालाब थे। अब इनकी संख्या घटकर 2400 के करीब रह गई है। लोगों ने तालाबों को पाट कर अपने घर बना लिए हैं। शेष बचे तालाबो पर भूमाफिया नजर गड़ाए बैठे हैं। अगर अवैध कब्जो की यही गति रही तो आने वाले कुछ ही वर्षों में यह तालाब गांव के नक्शे से लुप्त हो जाएंगे। इसी के साथ गांव से हरियाली भी लापता हो जाएगी। गांव से गायब हो रहे तालाबों को बचाने एवं जल संरक्षित कर वाटर रिचार्ज सिस्टम को कायम रखने की मंशा से शासन ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में आदर्श तालाब योजना शुरू की थी। मनरेगा के तहत तालाबों को खुदवाने तथा पुराने तालाबों की साफ सफाई एवं जीणोद्वार करने के पीछे मकसद था। कि मनरेगा मजदूरों को कम मिले और पशु पक्षियों को साल भर पानी मिलता रहे। गांव में जो तालाब थे। उन तालाबों को पंचायत ने गहरा करवाकर आदर्श तालाब में तब्दील कर दिया। नए तालाब नाम मात्र को खोदे गए। बेमकसद साबित हुए आदर्श तालाब जिले की 1167 ग्राम पंचायत में कुल 1456 आदर्श तालाब बनाए जा चुके थे। यह आदर्श तालाब न तो पशु पक्षी तथा जानवरों की प्यास बुझा सके। और न ही वाटर रिचार्ज सिस्टम को ही बनाए रख सके।

तालाबों के किनारे ऊंचे कर दिए जाने से इन तालाबों में बरसाती पानी संचित नहीं हो पाता। इससे जानवरों को साल भर पानी नहीं मिल पाता है। और न ही वाटर रिचार्ज होता है। इन तालाबों को खुद की प्यास बुझा पाना मुश्किल है। पशुओं की प्यास की बात दूर की बात है।

ग्रामीणों के लिए पर्यटन स्थल भी नहीं बन सके आदर्श तालाब। आदर्श तालाबों के चारों ओर रेलिंग बनाकर उसमें सुंदर फूलों के पौधे लगाकर ग्रामीणों के लिए मनोरंजन स्थल का निर्माण करना था। लेकिन काफी कम ही ऐसे तालाब हैं। जिन्हें मानक अनुरूप विकसित किया गया। इन तालाबों में मात्र बरसात के समय ही पानी दिखाई देता है। बाकी सूखे ही रहते हैं। ऐसे तालाबों के आसपास सुंदर वातावरण मिल पाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। तालाबों में पानी भरने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

भीषण गर्मी के चलते तालाब और पोखरों नदियों के सूखने की जानकारी मिली है। सभी पंचायतो को सूखे तालाब भरवाने के निर्देश दिए जा चुके है। लेकिन अभी तक तालाबों में पानी नहीं भरवाया जा सका है। जल्दी ही तालाबों में पानी भरवा दिया जाएगा।कि पशु पक्षियों को पानी की परेशानी ना हो सीडीओ खीरी।

पाक का पुतला फूंका, भारत सरकार आतंकी ठिकानों को तत्काल करें नष्ट

देवरिया। लार नगर पंचायत के हरिराम चौराहा पर हिन्दू युवा वाहिनी के नेता अरुण सिंह के नेतृत्व मे बीते दिनों जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निहत्थे पर्यटको का हत्या करने के विरोध मे पाकिस्तान का पुतला फूंका गया। अरुण सिंह ने कहा कि हम पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी से कड़ी निंदा करते हैं। भारत सरकार आतंकी ठिकानों को तत्काल नष्ट करे। साथ ही पर्यटकों के साथ जिस तरह से कायरतापूर्ण घटना को अंजाम दिया है।इसका हिसाब भारत लेगा। उन्होंने भारत सरकार से मांग करते हुए कहा कि अविलंब आतंकवादी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और आतंकवादी को पनाह देने वाले पाकिस्तान देश को भी करारा जवाब दें। उन्होंने कहा कि इस तरह के आतंकी हमले फिर दोबारा ना हो, इसके लिए ठोस कदम उठाया जाना चाहिए। मण्डल प्रभारी बलबीर सिंह दादा ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमारी सहनशीलता और संयम की सारी हदें पार कर दी है।

समाचार पत्र मे छपी सभी खबर से संबंधित लोगों पर हुआ असर चिकित्सालय में पेय व्यवस्था हुई सामान्य

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे शीतल पानी व्यवस्था बाधित होने से पानी पीने हेतु इधर-उधर भटकते लोग शीर्षक से 22 अप्रैल के समाचार पत्र स्वतंत्र प्रभात में छपी खबर के हुए असर के चलते अधिकारियों के संज्ञान लेने पर आज 26 अप्रैल को पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से सही पाई गई।मालूम हो कि स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों और तामीरदारों की खाशी भीड़ बनी रहती है। नगर निगम द्वारा चिकित्सालय में एक इंडिया मार का हैंडपंप कुछ दिन पूर्व लगाया गया था तथा शीतल जल प्याऊ के रूप में वाटर कूलर श्री अग्रवाल सभा गोला द्वारा कुछ दिन पूर्व लगवा कर चिकित्सा अधिकारियों को सौंप दिया गया था। लेकिन कुछ दिन इंडियामार्का हैंडपंप वाटर कूलर चलने के उपरांत खराब हो गया था। इस कारण मरीज और तामीरदार अपनी प्यास बुझाने हेतु गर्मी में बूंद बूंद पानी के लिए इधर-उधर भटकते देखे जा रहे थे। इस बीच दैनिक स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र द्वारा 22 अप्रैल के अंक में खबर प्रकाशित करने के उपरांत हरकत में आए संबंधित अधिकारियों द्वारा उक्त समस्या को संज्ञान में लेते हुए इंडिया मारका हैंड पंप एवं वाटर कूलर की मरम्मत श्री अग्रवाल सभा से संबंधित पूर्व पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल द्वारा वाटर कूलर की मरम्मत करा दिए जाने से शीतल जल की बाधित व्यवस्था सामान्य रूप से सही होकर भीषण गर्मी मैं शीतल जल उपलब्ध होना शुरू हो गया है जो की प्रशंसा के योग्य है।

सीएचसी प्रभारी डा0 वी0 के0 शुक्ला की उदासीनता से स्वास्थ्य सेवाएं हो रही प्रभावित, सीएचओ कर रहे मनचाही ड्यूटी

मीडिया पड़ताल में केशवपुर, रमया, मरवाटिया उप स्वास्थ्य केन्द्र मिलाबंद सीएमओ डा0 राजीव निगम ने डियूटी से गायब सीएचओ के खिलाफ जांच कर कार्यवाही करने की कही बात

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

बस्ती। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने के लिए हर प्रयास कर रही है कि गरीब एवं असहाय परिवारो को निःशुल्क इलाज व स्वास्थ्य सुविधाएं मिले और भीषण गर्मी के चलते शासन ने स्वास्थ्य उपकेंद्रो पर सुबह 08 बजे से शाम 02 बजे तक सीएचओ को केन्द्रों पर रहकर मरीजों की सेहत के जांच के लिए निर्देश दिया है इसके बावजूद सीएचओ की मनमानी चरम पर है । सूत्रों की माने तो हरैया सीएचसी के अन्तर्गत तकरीबन 21 स्वास्थ्य उपकेंद्र है । सीएचओ विभिन्न हेल्थ वेलनेस सेंटर/आयुष्मान आरोग्य केंद्रों पर लगभग तैनात हैं लेकिन हकीकत है यह है कि ग्रामीणों को सीएचओ के बारे में कोई जानकारी ही नहीं है। कागजों में जन आरोग्य केंद्र संचालित हो रहे हैं। जबकि इनकी जिम्मेदारी है कि प्रत्येक दिन केंद्र पर रहकर गैर संचारी रोगियों की स्क्रीनिंग करें और गंभीर रोगियों की रिपोर्ट चिकित्सकों को देकर उनका उपचार सुनिश्चित कराएं। स्वास्थ्य विभाग लोगों की सेहत दुरुस्त रखने की दिशा में कई योजनाएं संचालित कर रहा है। लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता से लोगों तक सुविधा नहीं पहुंच रही है। केशवपुर, मरवटिया, रमया ग्राम पंचायत में आयुष्मान आरोग्य केंद्र बना है लेकिन मीडिया पड़ताल सेन्टरों के दरवाजे बंद मिले और सीएचओ ड्यूटी से नदारद दिखे । केशवपुर में तैनात सीएचओ के बारे में ग्रामीणों ने बताया कि केंद्र पर कई महीनो हो गए है वह केंद्र पर नही दिखी । केंद्र के अगल - बगल के लोगों के पास ताले की चाबी रहती है जब कोई अधिकारी / कर्मचारी / मीडिया व अन्य लोग केन्द्र पर आते है तब आसपास के लोग ताला खोलकर केन्द्र के अन्दर की व्यवस्था दिखाते है । केन्द्र के कुछ नही है जब लोगों के बीमारी में इलाज की बात पूछी गई तो ग्रामीणों ने बताया कि वह लोग मजबूरी में प्राइवेट हॉस्पिटलों पर जाकर शुल्क देकर अपना इलाज कराते हैं । गरीब व असहाय परिवार पैसा के अभाव में छोलाछाप डाक्टरों का सहारा लेते है वही रमया स्वास्थ्य उपकेंद्र सीएचओ के बारे में प्रधान ने बताया की स्वास्थ्य उपकेंद्र कंप्लीट नहीं है वह पंचायत भवन पर बैठ कर इलाज करती हैं लेकिन मीडिया पड़ताल में स्वास्थ्य उप केंद्र तो कंप्लीट मिला। मीडिया टीम मरवटिया उप स्वास्थ्य केंद्र पहुंची तो उपकेन्द्र पर ताला लटका दिखा। उपकेंद्र के बगल के घर के दंपति ने बताया 6 महीने पहले मैडम जी आई थी उन्होंने बताया कि मेरी ड्यूटी यहां लगी है लेकिन तकरीबन 6 महीने हो गए है मैडम जी अभी सेंटर पर झांकने तक नहीं आई है । दंपति ने बताया इलाज के लिए कोसों दूर जाना पड़ता है और प्राइवेट झोलाछाप डाक्टरों से इलाज करना पड़ता है जिससे काफी समय व पैसा खर्चा करता पड़ता है । सरकार ने सारी सुविधाएं स्वास्थ्य उप केन्द्रो पर उपलब्ध कराई है ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को फ्री एवं समुचित इलाज मिल सके लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते सरकार की योजनाएं धरातल संचालित नहीं हो पा रही हैं विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है जिससे इन पर नकेल कसने की जगह मौन हैं। स्वास्थ्य उपकेंद्र पर नदारद सीएचओ के बारे में फोन के माध्यम से जानकारी लिया तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राजीव निगम ने फोन के माध्यम से कहा कि जो सीएचओ उप स्वास्थ केंद्र से डियूटी से गायब मिल रहे हैं उनके खिलाफ जांच कर विभागीय कार्रवाई की जायेगी।

नफरत की बुनियाद पर खड़ा पाकिस्तान

1947 में जब मजहब की बुनियाद पर भारत का बंटवारा हुआ तो इसके पीछे मुस्लिम लीग के नेता मुहम्मद अली जिन्ना की नामुराद सोच थी कि हिन्दू व मुस्लिम दो अलग-अलग कौमें हैं जो आपस में मिल कर कभी नहीं रह सकती। दूसरी तरफ कांग्रेस व जमीयत उलेमाएं हिन्द (देवबन्दी) के नेता थे जो कह रहे थे कि पूरे भारत में रहने वाले सभी हिन्दू-मुस्लिम एक कौमियत के हैं जिनमें भारत की धरती सांझी है। उस समय अंग्रेजों को लग रहा था कि यदि वे जिन्ना की बात मान लेंगे तो भविष्य में पाकिस्तान का उपयोग पूरे पश्चिम एशिया में और सोवियत संघ को काबू में रखने के लिए कर सकेंगे। हालांकि उस समय अंग्रेज सेना के कमांडरों की राय भी इस मुद्दे पर बंटी हुई थी। इसके प्रमाण तत्कालीन समय के बारे में लिखी गई कई पुस्तकों में मिलते हैं जिनमें पाकिस्तानी मूल के स्वीडन में बसे राजनीतिक विज्ञानी प्रोफेसर इश्तियाक अहमद की जिन्ना के बारे में लिखी पुस्तक सबसे प्रमुख है। यह पूरी तरह सत्य व प्रमाणित है कि 1920 तक मुहम्मद अली जिन्ना कांग्रेस पार्टी में थे जो स्वराज या सेल्फ रूल की बात करते थे। परन्तु इस दौरान 1916 में दक्षिण अफ्रीका से लौटे महात्मा गांधी ने कांग्रेस को केवल अंग्रेजों के समक्ष याचिकाएं रखने वाली पार्टी से जनता के साथ जुड़ने वाली पार्टी बनाने का बीड़ा उठाया था। जिससे जिन्ना इत्तेफाक नहीं रखते थे। वह नेताओं के काम में जनता को शामिल किये जाने के सख्त विरोध में थे। यही वजह रही कि आजादी के पूरे आन्दोलन के दौरान मुस्लिम लीग का कोई अदना सा नेता भी कभी एक घंटे के लिए जेल नहीं गया और पाकिस्तान बन गया। जिन्ना के पास उस समय मुस्लिम लीग व कांग्रेस दोनों की सदस्यता थी। जिन्ना उस समय तक हिन्दू-मुस्लिम एकता के अलम्बरदार समझे जाते थे। मगर गांधी जी के कांग्रेस की कमान लेने से वह घबरा गये थे क्योंकि गांधी जी की रणनीति स्वतन्त्रता आन्दोलन को जन मूलक बनाने की थी।

जिन्ना से जब कांग्रेस के एक सम्मेलन में अंग्रेजी के बजाय गुजराती या उर्दू हिन्दी में बोलने के लिए कहा गया तो उन्हें बहुत नागवार गुजरा। यह कार्य गांधी जी की मंच पर मौजूदगी में ही हुआ। इसके बाद जिन्ना ने कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और वह मुस्लिम लीग का दामन पकड़े रहे। परन्तु 1930 में इलाहाबाद (प्रयागराज) में जब मुस्लिम लीग का अधिवेशन हुआ तो इसकी सदारत प्रख्यात शाहर अल्लामा इकबाल ने की । उस समय मुस्लिम लीग की हालत यह थी कि इसके इजलास का नियमाचार (कोरम) पूरा करने के लिए भी पर्याप्त मुसलमान नागरिक नहीं थे। तब इलाहाबाद के बाजारों से छांट- छांट कर मुस्लिम दुकानदारों को इस इजलास में बुलवाया गया । इकबाल ने तब पहली बार मांग की कि भारत के पश्चिम इलाके के सूबों में मुस्लिम सरकारें स्थापित करने की मंजूरी अंग्रेज सरकार दे। यह मुसलमानों के लिए प्रथक राज्य स्थापित करने की मांग थी जो कि ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर ही थी। इसका खुलासा खुद इकबाल ने ही अंग्रेज सरकार को एक खत लिख कर किया था। इससे पहले जब चौधरी रहमत अली ने मुसलमानों के लिए अलग से मुल्क पाकिस्तान की मांग की थी तो जिन्ना ने उसका मजाक उड़ाया था और कहा था कि यह सिरफिरों जैसी बात है। मगर 1930 के बाद जब 1936 में अंग्रेजों ने प्रान्तीय एसेम्बलियों के चुनाव कराये तो पंजाब व बंगाल को छोड़ कर सभी राज्यों में कांग्रेस को भारी बहुमत मिला। उत्तर प्रदेश व बिहार के साथ बंगाल में मुस्लिम लीग को आंशिक सफलता मिली। उत्तर प्रदेश में जब चुनावों के बाद कांग्रेस की सरकार बन रही थी तो मुस्लिम लीग के चुने हुए विधायकों को भी इसमें शामिल करने का मसला उठा। तब कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि यदि लीग के सदस्य मन्त्री बनना चाहते हैं तो उन्हें अपनी पार्टी छोड़ कर कांग्रेस की सदस्यता लेनी होगी। इन चुनावों की सबसे खास बात यह थी कि पंजाब जैसे मुस्लिम बहुल राज्य में मुस्लिम लीग को सिर्फ दो सीटें मिलीं। यहां पंजाब यूनियनिस्ट पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला। इस पार्टी में उस समय सभी हिन्दू-मुस्लिम व सिख भी शामिल थे। यहां कांग्रेस दूसरे नम्बर की पार्टी रही। उत्तर प्रदेश के घटनाक्रम को जिन्ना ने बहुत गंभीरता से लिया और उन्होंने अंग्रेजों से साफ कह दिया कि अब वह हिन्दू-मुसलमान की साम्प्रदायिक राजनीति ही करेंगे। अतः 23 मार्च 1940 को लाहौर के लीग अधिवेशन में उन्होंने मुसलमानों के लिए प्रथक देश पाकिस्तान बनाने का प्रस्ताव रख दिया।

अब जिन्ना पूरी तरह हिन्दू- मुसलमान की राजनीति पर उतर आये थे। उनकी पीठ पर अंग्रेज सरकार का वरदहस्त था। इसके बाद द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हो गया तो जिन्ना ने मुसलमानों से अंग्रेजों की भारतीय फौज में शामिल होने के लिए कहा और अंग्रेजों को आश्वासन दिया कि वह उनके साथ खड़े रहेंगे। जबकि कांग्रेस ने यह मांग की कि पहले अंग्रेज आश्वासन दें कि युद्ध के चलते वे भारत को खुद मुख्तार मुल्क घोषित करेंगे या आजादी दे देंगे। गांधी जी समेत कांग्रेसी नेताओं का मत था कि एक परतन्त्र देश की जनता उन पर राज करने वालों के हक में कैसे लड़ सकती है। अतः 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन शुरू कर दिया। अंग्रेजों ने पूरे देश से चुन-चुन कर कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। यह समय ऐसा था जब खुले मंचों पर राजनीति समाप्त हो गई थी। इसका फायदा जिन्ना ने उठाया और अंग्रेजों से आश्वासन चाहा कि युद्ध समाप्त होने पर अंग्रेज पाकिस्तान का निर्माण कर देंगे। इस बारे में अंग्रेजों ने कोई आश्वासन नहीं दिया मगर इंकार भी नहीं किया। इस प्रकार जिन्ना ने कांग्रेस द्वारा खाली की गई राजनीतिक जगह को भरा और पूरे देश में पाकिस्तान निर्माण की मु?हम को हवा दी। द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजों के सारे खजाने खाली हो गये और हद यह हो गई कि उनकी फौज को तनख्वाहें भी अमेरिका के वित्तीय सहयोग से मिलीं। अमेरिका दबाव डालने लगा कि अंग्रेज भारत से बाहर जायें। इस दबाव के पीछे अंग्रेजों की आर्थिक दुबली हालत थी। वरना अंग्रेजों की योजना थी कि वे 1973 तक भारत में ही बने रहेंगे। इन परिस्थितियों से जिन्ना ने जमकर फायदा उठाया और पाकिस्तान की मांग को सबसे ऊपर रखा। इस दौरान मुस्लिम लीग ने मुस्लिम बहुल राज्यों समेत सारे देश में मुसलमानों को भड़काना शुरू किया और प्रचार किया कि हिन्दू व मुसलमानों में कुछ भी सांझा नहीं है। उनका धर्म अलग है और संस्कृति अलग है जिन्हें हिन्दू अपना नायक मानते हैं वे मुसलमानों के लिए खलनायक हैं। मुस्लिम तौर -तरीके हिन्दुओं से कहीं मेल नहीं खाते। परन्तु त्रासदी यह है कि इस काम में अलीगढ़ मुस्लिम विश्व विद्यालय के छात्रों व शिक्षकों ने जिन्ना का साथ दिया। तभी 1945 में अंग्रेजों ने प्रान्तीय एसेम्बलियों के पुनः चुनाव कराने का निर्णय लिया और जिन्ना की पार्टी मुस्लिम लीग ने नारा लगाया

पाकिस्तान का मतलब क्या
ला इलाही इल इल्लिहा

पंजाब और बंगाल में तो मुस्लिम लीग ने हद पार कर दी और मुसलमानों से अपील की कि वे लीग को ही वोट दें। उनका लीग को दिया गया वोट सीधे रसूल-अल्लाह को दिया वोट माना जायेगा और जो कहीं और वोट करेगा उसका नमाजे-जनाजा भी नहीं पढ़ा जायेगा। उनका निकेहनामा भी नहीं पढ़ा जायेगा। वह दीन से अलग समझा जायेगा। इसका परिणाम यह हुआ कि पंजाब में मुस्लिम लीग की सीटों में गुणात्मक वृद्धि हुई जिनकी संख्या 75 थी। वह विधानसभा मे सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी । कांग्रेस को भी यहां अच्छी सीटें मिली मगर सत्तारूढ़ यूनियनिस्ट पार्टी को तीसरे नम्बर पर ही सब्र करना पड़ा। जिन्ना चाहते थे कि पंजाब में उनकी पार्टी के नेतृत्व में सरकार गठित करने के लिए कांग्रेस उन्हें समर्थन दे। मगर ऐसा नहीं हो सका यूनियनिस्ट पार्टी ने ही अन्य दलों के साथ मिल कर सरकार बनाई अब जिन्ना ने ठान लिया कि वह पाकिस्तान बनाने के लिए अंग्रेजों की हर शर्त मानेंगे और नतीजा निकला कि 15 अगस्त 1947 को पाकिस्तान बन गया।

यह इतिहास लिखने का मन्तव्य यही है कि भारत की नई पीढ़ी के लोगों को विभाजन के असली घटनाक्रम की पुख्ता जानकारी मिल सके और उनकी समझ में आ सके कि किस प्रकार अंग्रेजों से मिल कर जिन्ना ने उस मुल्क के साथ गद्दारी की जहां उसके दादा परदाओं की कब्रे हैं । जिन्ना जो खुद उर्दू के दो शब्द नहीं बोल सकता था और रहन-सहन व खान पान में अंग्रेजों जैसा ही था किस अन्दाज से पाकिस्तान ले उड़ा। क्या पाकिस्तान की यह विरासत मौजूदा पाकिस्तान के हुक्मरानों को याद रहेगी? दरअसल पाकिस्तान का निर्माण ही हिन्दू विरोध पर टिका हुआ है। पाकिस्तान भारत का विरोध इसीलिए करता है कि यहां हिन्दू बहुसंख्या में हैं और हिन्दू धर्म दूसरे धर्मों का भी बराबर का आदर करता है। मगर जिस तरह कश्मीर के पहलगाम में पाक आर्तकियों ने लोगों का धर्म पूछ -पूछ कर उन्हें मौत के घाट उतारा वैसा ही भारत के बंटवारे के दौरान हुआ था। पाकिस्तान की सबसे बड़ी विरासत यही है कि यह कम से कम दस लाख लोगों की लाशों पर तामीर हुआ मुल्क है। हिन्दुओं से नफरत को पाकिस्तानी हुक्मरान हर हालत में जारी रखना चाहते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि जिस दिन यह घृणा समाप्त हो जायेगी उस दिन उनका वजूद भी मिट जायेगा क्योंकि भारत में इतनी ताकत है कि वह पाकिस्तान को नेस्तनाबूद कर सके। हकीकत तो यह है कि जिन्ना के हिन्दू -मुस्लिम देशों के विमर्श को 1971 में खुद उसके ही हिस्से पूर्वी पाकिस्तान के लोगों ने कब्र में गाड़ दिया था और खुद को बंगलादेश कहा था। मगर अफसोस पाकिस्तान का यह इतिहास पाकिस्तानियों को ही नहीं पढ़ाया जाता।

पूरा भारत मोदी के साथ

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम पयर्टन स्थल पर पाक प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा कहर ढहाये जाने के बाद भारत की मोदी सरकार ने जो कूटनीतिक अस्त्र चला है उसे पूरे देश का समर्थन प्राप्त है और भारत के लोग चाहते हैं कि ऐसे बर्बर व नृशंस हत्याकांड को अंजाम देने वालों के विरुद्ध सैनिक मोर्चे पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। मगर मोदी सरकार ने जिस तरह कूटनीतिक मोर्चे पर पाकिस्तान के साथ 1960 में हुई सिन्धु नदी जल बंटवारे के समझौते को मुल्तवी किया है उससे सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का पता चलता है। मोदी सरकार ने सीधे पाकिस्तान के विरुद्ध कठोर कदम उठाकर सिद्ध कर दिया है कि यह 2008 न होकर 2025 हैं और सरकार पाक आतंकवादियों के काले चिट्ठे खोलने के बजाय सीधे कार्रवाई में यकीन रखती है। सिन्धु जल समझौता 1960 में हुआ था जिसे तब से लेकर अब तक पहली बार मुल्तवी किया गया है। हालांकि इस दौरान भारत पाक से चार युद्ध लड़ चुका है। इनमें पहला युद्ध कश्मीर के मुद्दे पर ही आजादी मिलने के तुरन्त बाद 1947-48 में लड़ा गया था।

इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि विगत 22 अप्रैल को पहलगाम में जिस तरह आतंकवादियों ने निरीह पर्यटकों की हत्या की वह एक सोची-समझी साजिश थी। ऐसे संजीदा मसले पर भारत की आन्तरिक राजनीति प्रभावित नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह कार्य पाक की सीमा पार से आये आतंकवादियों द्वारा किया गया है। समय की मांग है कि भारत की सभी विपक्षी पार्टियां सरकार के साथ एकजुटता दिखाते हुए उसे जवाबी कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करें और उसके साथ खड़े नजर आयें। मोदी सरकार ने पाकिस्तान के साथ अपने कूटनीतिक सम्बन्धों को पूरी तरह नहीं तोड़ा है मगर पाकिस्तान स्थित उच्चायोग की क्षमता को आधा कर दिया है और उच्चायोग के सैनिक सलाहकारों को बेनंग-ओ-नाम घोषित कर दिया है और इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग की क्षमता इसी अनुपात में घटा दी है। जाहिर है कि मोदी सरकार सीधी कार्रवाई करने के पक्ष में दिखाई पड़ती है। संकट की इस घड़ी में पूरे भारत को एक-?तहाई देना चाहिए। मासूम पर्यटकों की हत्या करके आतंकवादियों ने भारत के साम्प्रदायिक सौहार्द को भी बिगाड़ने की साजिश रची है। आतंकवादियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर उन्हें गोलियां मारी हैं और हत्या करने से पूर्व यह सुनिश्चित किया है कि वे मुसलमान तो नहीं हैं। मगर इस्लाम भी निरीह लोगों की हत्या करने की इजाजत नहीं देता है। गोली मारने से पूर्व जिस तरह आतंकवादियों ने पर्यटकों से इस्लामी कलमा पढ़ने को कहा उससे यह कार्रवाई इस्लामी जेहादियों की पक्के तौर पर लगती है। अतः हर भारतवासी का कर्त्तव्य है कि वह धर्म की बुनियाद पर आपस में अपने भाईचारे को न बिगड़ने दें क्योंकि पाकिस्तान 1989 के बाद से भारत को हजार जख्म देने की नीति पर चल रहा है। इस नाजायज मुल्क के हुक्मरान चाहते हैं कि भारत भीतर से कमजोर हो जाये क्योंकि सैनिक मोर्चे पर वह भारत की जांबाज सेना का मुकाबला नहीं कर सकता। इस सिलसिले में पाक के फौजी जनरल मुनीर का विगत 16 अप्रैल का वह वक्तव्य ध्यान देने वाला है जिसमें उसने कहा था कि हिन्दू व मुस्लिम ऐसी दो कौमें हैं जिनमें आपस में कुछ भी सांझा नहीं है। दरअसल यह भारत के बंटवारे से पहले मुस्लिम लीग का ही बयानिया है जिसमें यह कहा जाता था कि भारत में रहने वाले मुसलमानों की कौमियत अलग है। हिन्दुओं से न तो उनके रीति-रिवाज मिलते हैं और न ही खान-पान से लेकर राष्ट्र नायक। मुहम्मद अली जिन्ना की हिन्दू-मुस्लिम दो राष्ट्रीयताओं की वकालत करते हुए जनरल इस हद तक पहुंच गये कि वह पाकिस्तान की नई पीढ़ियों को भी हिन्दुओं से घृणा करने का पाठ पढ़ाने लगे। मगर पाकिस्तान की बुनियाद ही जिन्ना ने नफरत और हिंसा पर डाली थी अतः यहां का जनरल यदि हिन्दुओं से दुश्मनी करने का सबक पढ़ाता है तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए लेकिन हम भारत हैं जिसका सबूत यह है कि पीड़ित पर्यटकों की मदद करते हुए एक कश्मीरी मुसलमान नागरिक भी पहलगाम में शहीद हो गया। इससे यह पता चलता है कि 76 साल पहले बने पाकिस्तान का वजूद केवल हिन्दुओं से नफरत करने की बुनियाद पर टिका हुआ है। इसलिए पाकिस्तान से भारत कभी सदचलन होने की अपेक्षा नहीं कर सकता जिसकी वजह से उसे सबक सिखाया जाना जरूरी है। हालांकि 2019 में भारत ने उसके घर में ही घुसकर ही उसे बालाकोट में सर्जिकल स्ट्राइक करके मारा था जब उसने पुलवामा में भारत के चालीस जवानों की जघन्य हत्या की थी। मगर पाकिस्तान को भारत ने 1971 में दो फाड़ कर दिया था और नया राष्ट्र बंगलादेश बनाया था। इसमें भारत की फौजों ने जो कमाल दिखाया था उससे पूरी दुनिया दांतों तले अंगुली दबा कर बैठने को मजबूर हो गई थी। पाकिस्तान ने इसके बाद 1989 में जनरल जिया उल हक के नेतृत्व में जो भारत को हजार जख्म देने की नीति बनाई उसके बाद ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैला और 2008 नवम्बर में पाक आतंकवादियों ने मुम्बई में 166 नागरिकों की हत्या की। उसके बाद विगत 22 अप्रैल को हुई ऐसी दूसरी घटना है जिसमें 26 भोलेभाले शहरियों को निशाना बनाया गया इसके खिलाफ पूरे जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कड़ा ऐतराज दर्ज कराते हुए एक दिन का बन्द भी रखा। पहलगाम की घटना से साफ है कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों के ही खिलाफ है क्योंकि पर्यटकों की हत्या करने से सबसे ज्यादा नुकसान कश्मीरियों का ही हुआ है। राज्य का सबसे बड़ा उद्योग पर्यटन गतिविधियां ही हैं जो कि 2019 के बाद से लगातार बढ़?रही थी और राज्य सरकार को अच्छा राजस्व प्राप्त हो रहा था और कश्मीरियों की रोजी-रोटी चल रही थी।

22 अप्रैल की घटना के बाद पर्यटकों ने कश्मीर खाली करना शुरू कर दिया है। मोदी सरकार ने भी अहद कर लिया है कि वह आतंकवादियों को किसी भी स्तर पर नहीं छोड़ेगी और ईट का जवाब पत्थर से देगी फिलहाल उसने कूटनीतिक अस्त्र ही चल कर साफ कर दिया है कि वह डोजियर नहीं भेजेगी बल्कि आतंकवाद समाप्त करने के लिए जमीन पर भी कार्रवाई करेगी। पूरा भारत इस संकट की घड़ी में प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के साथ है।

संपादकीय

आतंक के विरुद्ध एकता का शंखनाद, श्रीनगर से उठती उम्मीद की लौ

कभी-कभी एक घटना केवल घटना नहीं होती वह एक राष्ट्र के हृदय में धंसी पीड़ा होती है, जो शब्दों से परे जाकर आत्मा को झकझोर देती है। पहलगाम में हुआ यह आतंकी हमला महज एक हादसा नहीं था, यह भारत की सहिष्णुता, उसकी अखंडता और उसकी एकता पर एक कायराना चोट थी। यह एक ऐसे समय में हुआ, जब देश अपने भीतर के संघर्षों और वैश्विक चुनौतियों से दो-चार हो रहा है और इसी उथल-पुथल के बीच एक बार फिर आतंक ने अपनी ज़हरीली साँसें फैलाई, कुछ मासूमों की जान ली, और पूरे देश को रुला दिया। लेकिन हर अंधकार के बीच कहीं न कहीं आशा की एक लौ भी जलती है और इस बार वह लौ श्रीनगर में दिखाई दी। राहुल गांधी जब पहलगाम हमले के पीड़ितों से मिलने पहुँचे, तो वह केवल नेता नहीं थे — वह एक संवेदनशील भारतीय थे, जो सियासत से परे जाकर उन चेहरों की आँखों में झाँकने आए थे, जिनकी दुनिया अचानक खून से रंग दी गई थी। उनका वहाँ होना एक बयान से कहीं बढ़कर था वह उपस्थिति, जो घायल मनों को यह भरोसा दे रही थी कि तुम अकेले नहीं हो, पूरा भारत तुम्हारे साथ खड़ा है। राहुल गांधी का कहना, मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं एक औपचारिक संवाद नहीं था, यह उन घावों पर मरहम रखने का प्रयास था, जो केवल सत्ताई बयानबाज़ी से नहीं भरते, बल्कि साथ खड़े होने से, हाथ थामने से और सच्चे इंसानी रिश्तों से भरते हैं। वह पीड़ितों के पास केवल इसीलिए नहीं थे कि उन्हें देखा जाए। वह इसलिए वहाँ थे ताकि उन्हें सुना जाए, समझा जाए और उनके साथ खड़ा हुआ जाए। उन्होंने साफ़ कहा कि यह हमला भारत को तोड़ने की साजिश है, भाई को भाई से लड़ाने की कोशिश है और यह सत्य भी है। आतंकवादियों का सबसे बड़ा हथियार सिर्फ़ बंदूक नहीं, बल्कि वह नफ़रत है जो हमारे भीतर पनपाई जाती है एक-दूसरे पर शक, एक-दूसरे से दूरी, एक-दूसरे के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह। लेकिन इस देश की आत्मा में जो गहराई है, वह इन तमाम विभाजनों से ऊपर उठती रही है। हमने सदियों तक आक्रांताओं को देखा, लेकिन हमने हार नहीं मानी; हमने अनेक युद्ध देखे, लेकिन टूटे नहीं हमने विभाजन भी झेला, लेकिन फिर भी एकजुट रहना सीखा। यह वक्त फिर से उसी एकजुटता की माँग करता है। जब राहुल गांधी ने यह कहा कि सरकार के साथ विपक्ष भी इस लड़ाई में पूरी तरह साथ है, तब उन्होंने यह नहीं कहा कि हम बहस करेंगे। उन्होंने कहा कि हम साथ चलेंगे। यह साथ वही शक्ति है जो एक लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी होती है। राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन जब देश की अखंडता पर आघात होता है, तब हर मतभेद बौना हो जाता है और केवल एक चीज़ बचती है राष्ट्रहित। यह भी उतना ही ज़रूरी है कि हम अपने भीतर झाँकें और देखें कि कहीं हम भी तो आतंक के एजेंडे को अनजाने में पूरा नहीं कर रहे? जब कश्मीरियों पर हमला होता है, जब शक की निगाह से कोई मुसलमान देखा जाता है, जब उत्तर या दक्षिण, पूरब या पश्चिम के नागरिकों को अन्य कहा जाता है तब आतंकवाद हँसता है, क्योंकि वह जानता है कि उसके बिना गोली चलाए ही हम खुद अपने ही देशवासियों से लड़ने लगते हैं। और इसी ज़हर को रोकना हमारी सबसे बड़ी जवाबदेही है। जो लोग कश्मीरियों पर हमला कर रहे हैं, वे भी उसी कट्टरता की भाषा बोल रहे हैं जिसे हम हराना चाहते हैं। राहुल गांधी की मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल से मुलाक़ात, उनकी शांति की अपील, उनका समर्थन यह सब एक संदेश हैं कि भारत की राजनीति अब इस दिशा में बढ़ रही है जहाँ सत्ता की नहीं, सेवा की बात होगी। वह यह दर्शाते हैं कि देश को जोड़ना सिर्फ़ भाषणों से नहीं होता, ज़मीन पर उतर कर आंसुओं में सहभागी बनने से होता है।आज भारत के हर कोने से एक आवाज़ उठनी चाहिए। वह आवाज़ जो बताये कि हम डरे नहीं हैं, हम झुके नहीं हैं, और हम कभी हार मानने वाले नहीं हैं। आतंक को जवाब सिर्फ़ सेना नहीं देती, वह जवाब हर वो नागरिक देता है जो नफ़रत को नहीं अपनाता, जो भाईचारे को चुनता है, और जो कहता है तू चाहे जितना बांट ले, मैं फिर भी सबको अपना ही मानूंगा। हमारा भारत एक मंदिर भी है, एक मस्जिद भी यह गुरुद्वारा भी है, गिरिजाघर भी। यह कविता भी है, क्रांति भी। यह आँसू भी है, आग भी। और जब इसकी आत्मा को कोई ठेस पहुँचती है, तो यह शांत नहीं बैठता, यह समूचा उठ खड़ा होता है। पहलगाम की धरती से उठी यह आवाज़ अब पूरे देश में गूंजनी चाहिए। ताकि हर आतंकी, हर कट्टरपंथी, हर विभाजनकारी ताकत यह समझ ले कि भारत नफ़रत से नहीं डरता, भारत की जड़ें प्रेम में हैं, सह-अस्तित्व में हैं, और यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। आज जरूरत है कि हम हर तरफ़, हर गली, हर गाँव और हर दिल में एक ही बात कहें हम टूटेंगे नहीं। हम बिखरेंगे नहीं। हम डरेंगे नहीं। हम लड़ेंगे लेकिन नफ़रत से नहीं, प्रेम से। हम जवाब देंगे, लेकिन हिंसा से नहीं, एकता से।क्योंकि यही भारत है और यही उसकी आत्मा की सबसे बुलंद आवाज़ है।

हंसराज चौरसिया

एक बार फिर जंग के मुहाने पर भारत

भारत एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर है। ये युद्ध किसी सीमा विवाद की वजह से नहीं बल्कि उस आतंकवाद के खिलाफ होने की अटकलें हैं जो पाकिस्तान से बाबस्ता है। कश्मीर घाटी के पहलगाम में 26 लोगों की दिन-दहाड़े नृशंस हत्या की वारदात ने भारत को जबरन युद्धोन्मुख किया है। आसमान में लड़ाकू विमानों की भाग-दौड़ साफ़ दिखाई देने लगी है। हमारे लड़ाकू विमान भी गरज रहे हैं और देश के नेता भी। अब देखना है कि दोनों के सुर कब एक होते हैं और बमों की बरसात कब शुरू होती है। भारत कृषि प्रधान देश है, युद्ध प्रधान नही। भारत ने अपनी आजादी से लेकर अब तक जितनी भी जंग लड़ी हैं उनमें शायद एक भी युद्ध ऐसा नहीं है जो भारत ने अपनी तरफ से लड़ा हो। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर आज के प्रधानमंत्री प्रातः स्मरणीय श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी भी युद्ध के पक्ष में नहीं हैं। सबको पता है कि जंग से कुछ हासिल नहीं होता। जंग से सिर्फ और सिर्फ बर्बादी होती है। हर जंग में मनुष्यता कराहती है,निर्दोष लोग मारे जाते हैं। फिर भी यदि जंग के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं होता तो भारत जंग से पीछे नहीं हटता। आगे भी शायद ऐसा ही हो। मोदी जी ने तो यूक्रेन और रूस की जंग समाप्त करने कि लिए काफी भाग-दौड़ की थी। बात कोई चार दशक पुरानी है ,शायद 1984 की ग्वालियर के कैंसर अस्पताल परिसर में माननीय अटलबिहारी की अध्यक्षता में एक कवि सम्मेलन हो रहा था । उस कवि सम्मेलन में मै भी एक नवोदित कवि के रूप में मौजूद था । उस कवि सम्मेलन में अटल जी ने अपनी चर्चित कविता 'हम जंग न होने देंगे ' पढ़ी थी । वे जुंग में थे लेकिन कविता आत्मा से पढ़ रहे थे। उनकी कविता के कुछ अंश आप देखिये - हम जंग न होने देंगे विश्व शांति के हम साधक है, जंग न होने देंगे कभी न खेतों मे फ़िर खुनी खाद फलेगीं, खलिहानों मे नहीं मौत कि फसल खिलेगी आसमान फ़िर कभी न अंगारे उगलेगा, एटम मे नागासाकी फ़िर नहि जलेगी, युद्धविहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे। जंग न होने देंगे। हथियारों के ढ़ेरो पर जिनका है डेरा, मुँह में शांति, बगल मे बम, धोके का फ़ेरा कफ़न बेचने वालों से कह दो चिल्लाकर दुनियां जान गई है उनका असली चेहरा कामयाब हो उनकी चालें, वह ढ़ंग न होने देंगे। जंग न होने देंगे। हमें चाहिए शांति, ज़िन्दगी हमको प्यारी हमें चाहिए शांति, सृजन कि है तैयारी हमने छेड़ी जंग भूख स आगे आकर हाथ बँटाए दूनियां सारी। हरी - भरी धरती को खुनी रंग न लेने देन्गे। जंग न होने देंगे भारत - पाकिस्तान पडोसी, साथ - साथ रहना है, प्यार करे या वार करे, दोनो को हि सहना है, तीन बार लड़ चुके लड़ाई, कितने महंगा सौंदा, रुसी बम हो या अमरीकी, खून एक बहना है। जो हम पर गुजरी बच्चो के संग न होने देंगे। जंग न होने देंगे। अटल जी को इसके बावजूद जंग का समाना करना पड़ा । उनके शांति प्रयासों को तत्कालीन पाकिस्तानी प्रशासन ने धता बता दिया था। अटल जी के प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में पाकिस्तान से जंग हुई और जीती भी गयी। अटल जी से पहले प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,श्रीमती इंदिरा गाँधी और पंडित अटल बिहारी बाजपेयी ने भी जंग लड़ी। जंग में पाकिस्तान टूटा और बांग्लादेश बना। 'जंग में हार-जीत होती रहती है किन्तु देश विकास की दौड़ में पिछड़ जाता है। दरअसल जंग किसी भी लोकतान्त्रिक सरकार का हथियार नहीं होती। जंग तानाशाही प्रवृत्ति के नेतृत्व का अमोध अस्त्र होता है। मोदी सरकार की नाकामियों और पाकिस्तान की हठधर्मी भावी जंग की आधारशिला हैं। जंग के मामले में हम संघ और भाजपा के प्रबल विरोधी होते हुए कविवर पंडित अटल बिहारिके प्रशंसक हैं। अटल जी कवि थे या नहीं ये अलग बात है किन्तु वे बेहतरीन तुकबंद थे और उनका मन कविमन था। लेकिन जब सर पर आगयी तो उनकी सरकार ने भी युद्ध लड़ा, क्योंकि युद्ध भारत पर थोपा गया था। इस बार भी युद्ध थोपा जा रहा है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी अटल जी की तर्ज पर पाकिस्तान से रिश्ते सुधारने के लिए कोशिश की थी, लेकिन उनकी कोशिशें परवान नहीं चढ़ सकीं। वे अटल जी जैसे कवि हृदय नेता नहीं हैं। उनकी भाषा और कार्य पद्यति अटल जी से भिन्न है। अब उनके सामने भी कोई विकल्प नहीं है जंग का। यदि उन्होंने जंग न लड़ी तो वे राजनीतिक जंग हार जायेंगे। क्योंकि उन्होंने मुसलमानों के खिलाफ देश में ही नहीं बल्कि ,दुनिया में भी एक अघोषित ध्रुवीकरण करने की कोशिश की है। कोई माने या न माने किन्तु इस समय देश में सरकार के तमाम फैसलों की वजह से मुस्लिम विरोधी वातावरण है। इस वातावरण को तैयार करने में भाजपा और सत्ता प्रतिष्ठान ने बहुत मेहनत की है। इससे देश की समरसता यानि धर्मनिरपेक्षता खतरे में है लेकिन सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है। सरकार की इसी लापरवाही का नतीजा है कि देश में पुलवामा के बाद पहलगाम हो गया। खैर जो हुआ सो हुआ। अब आगे भी जो हो वो ठीक ही हो। इस समय मोदी जी की किस्मत है कि आतंकवाद के खिलाफ फन्हें विश्व व्यापी समर्थन मिल रहा है। अटल जी के साथ ऐसा नहीं था। जंग कि लिए पहले देश को तैयार किया जाये फिर फौज को । फ़ौज तो हमेशा तैयार रहती ही है ,लेकिन जनता नही। जंग के दौरान देश में सब एकजुट हों ,कोई फिरकापरस्ती न हो ,कोई अनबन न हो। कोई हिन्दू-मुसलमान न हो। कालाबाजारी न हो। अच्छी बात ये है की पहलगाम हत्याकांड के बाद देश का मुसलमान भी आतकवाद के खिलाफ सड़कों पर हैं।

राकेश अचल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात चोरों ने एक घर को बनाया निशाना, नगदी सहित जेवरात पर किया हाथ साफ

बेनीगंज/हरदोई अज्ञात चोरों ने 24 अप्रैल को एक गांव में एक घर को किया टारगेट,नगदी सहित जेवरात पर किया हाथ साफ। सूचना पर क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंचकर आसपास के लोगों से जानकारी कर छानबीन शुरू कर दी है। बता दे कोतवाली क्षेत्र के उल्जा निवासी महिला नीलम पत्नी गंगाधर तिवारी ने कोतवाली में शिकायत की है बताया है 24 अप्रैल को मैं लखनऊ दवा लेने के लिए गई थी वहां लड़के बहू के पास रात में रुके थे। जब अगले दिन घर वापस आए तो देखा कि गैलरी का मैन गेट अंदर से बंद था मुझे शंका होने पर मैं कमरे के गेट से होकर घर के अंदर गई देखा कि मेरे दोनों कमरों के गेट खुले पड़े थे कमरों में रखा सामान जेवरात,नगदी 4000 रुपए, पीतल, बेधा के बर्तन मौके पर मौजूद नहीं थे। मैंने आसपास लोगों से काफी जानकारी जुटाई लेकिन अभी तक चोरी वारदात को अंजाम देने वालों के बारे में जानकारी नहीं हो सकी है।पीड़ित महीला ने पुलिस प्रशासन से न्याय की मांग की है। उपरोक्त विषय पर कोतवाली प्रभारी कृष्ण बली सिंह ने बताया मामले की सूचना प्राप्त हुई है जांच की जा रही है विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात चोरों ने पंचायत भवन को किया टारगेट

बेनीगंज/हरदोई- बेनीगंज थाना क्षेत्र के बक्शापुर पंचायत भवन में बीती रात कार्यालय का ताला तोड़कर भीतर रखा बैट्री व इन्वर्टर चोरी हो गया। सुबह सफाई कर्मचारी सफाई करने आया ताला टूटा देख ग्राम प्रधान को घटना की जानकारी दी। प्रधान द्वारा डायल 112 पर सूचना दी गई। जिस पर क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंचकर छान-बीन की। कोतवाली प्रभारी ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आसपास के लोगों से पूछताछ कर विधिक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

पहलगाम कांड के मृतकों के लिए किया कैंडिल मार्च और श्रद्धांजलि सभा

हरदोई पहलगाम में हुए क्रूर हत्याकांड के विरोध में आज हरदोई के कुबेर लाल जन सेवा संस्थान की संस्थापिका निरमा देवी जी द्वारा एक शांतिपूर्ण कैंडिल मार्च निकाला गया। यह मार्च मृतकों को श्रद्धांजलि देने और दोषियों को कड़ी सज़ा दिलवाने की मांग को लेकर आयोजित किया गया। केंडल मार्च के समापन पर शहीद उद्यान में एक श्रद्धांजलि सभा भी आयोजित की गई, जिसमें मृत आत्माओं की शांति हेतु मौन रखा गया। इस कैंडल मार्च में संस्थापित निरमा देवी , डॉ चित्रा मिश्रा, रेशमा लता गुप्ता, कमला गुप्ता, रेखा गुप्ता, मीनू गुप्ता, चेतना महेश्वरी, रीना गुप्ता, मीतू मिश्रा,विनीता पांडे, संजू श्रीवास्तव, सुधा गुप्ता, गीता गुप्ता, नेहा, रेखा गुप्ता, प्रशांत गुप्ता नितिन, सुमित श्रीवास्तव शेरू, अमित, अवधेश, सुभाष गुप्ता,आदि सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन के माध्यम से संस्थान ने एकजुट होकर न केवल मृतकों को श्रद्धांजलि दी, बल्कि सरकार से इस कृत्य अपराध जो आतंकियों द्वारा किया गया उनके लिए कड़ी से कड़ी सजा और सख्त कार्यवाही की मांग की।

थाना दिवस में फरियादियों की शिकायतों का हुआ मौके पर निस्तारण, पुलिस-प्रशासन की रही संयुक्त मौजूदगी

चित्रकूट। जिले में शनिवार को अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में थाना दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन कोतवाली कर्वी व थाना बहिलपुरवा में किया गया, जिसमें राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों की मौजूदगी में जनसुनवाई हुई। कोतवाली कर्वी में हुए थाना दिवस में नायब तहसीलदार मंगल यादव भी मौजूद रहे। इस दौरान भारी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिन्हें गंभीरता से सुना गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने शिकायतकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर एक मामले का निष्पक्षता से जांच कर, तय समयसीमा में निस्तारण किया जाए। खासतौर पर भूमि विवादों से जुड़े मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर जांच करने और शासन द्वारा तय समय के भीतर निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने सख्त लहजे में कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।थाना बहिलपुरवा में भी इसी क्रम में थाना दिवस का आयोजन किया गया।

गौवंशों से लदा ट्रक पलटने से कंडक्टर सहित सात गौवंशों की दर्दनाक मौत

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली- उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के लगातार सत्ता में रहने के दौरान जिस तरह से गौवंशों के वध पर रोक लगाई गई, उससे लगने लगा था जैसे राम राज्य आ गया। लेकिन ये पूर्ण सत्य नहीं है। क्योंकि कुछ अधिकारियों और पुलिस की मिली भगत से सरकार की उस महत्वाकांक्षी योजना पर पानी फिरता दिखाई दे रहा है। रायबरेली में गौवंश तस्करों का डीसीएम पलटने के बाद से ही इस बात का खुलासा हो सका, और पुलिस रात्रि चेकिंग की पोल खोल कर रख दी। ऐसा ही एक मामला महराजगंज कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात देखने को मिला। जहां गौवंशों से भरा डीसीएम अनियंत्रित होकर खाई मे पलट गया, डीसीएम पलटने से जहां कंडक्टर सहित सात गौवंशों की दर्दनाक मौत हो गई, तो वहीं हादसे में ड्राइवर को भी गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी भी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने सुचना पाते ही क्रेन से ट्रक को बाहर निकलवाया और कंडक्टर के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ये भी पता करने मे जुटी है कि, आखिर गोवंशो को कहाँ और क्यों लें जाया जा रहा था। आपको बता दें कि, मामला महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के कुबना नैय्या नाला पुल के पास का है, जहां देर रात हैदरगढ़ की तरफ से आ रहा गोवंशो से भरा एक डीसीएम अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई मे पलट गया। ट्रक पलटने से कंडक्टर तैया (19) पुत्र पटवारी निवासी जनपद हरदोई सहित सात गोवंशों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चालक सरफुद्दीन (30) निवासी जौनपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रायबरेली के लिए रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और क्रेन से खाई मे गिरे ट्रक को बहार निकलवाया। मृत गोवंशो को जेसीबी मंगवाकर बाकायदा गड्ढा खुदवा कर दफना दिया गया। जीवित गोवंश रस्सी से आजाद होते ही भाग गए। उधर पुलिस ये भी पता कर रही है कि गोवंशो से भरा ट्रक आखिर कहां से कहां ले जाया रहा था। आपको यह भी बता दें कि, पुलिस की लचर कार्यशैली का ही नतीजा है कि, पुलिस चौकी गुमावां और पुलिस चौकी हलोर पार कर कुनबा नैय्या पर अनियंत्रित होकर पलटा डीसीएम गोवंश तस्करी के मामलों में पुलिस रात्रि चेकिंग अभियान की पोल खोलता है। यही वजह है कि, ऐसे मामले सामने नही आते हैं, और गोवंशों से लदी गाड़ियां पार हो जाती है, गोवंशों से लदा डीसीएम पलटना यह सिद्ध करता है कि, जिले का पुलिस प्रशासन गौ तस्करी पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रहा है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि, अगर क्षेत्रीय पुलिस सक्रिय होती तो निश्चित तौर पर ये गौ तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 7 गोवंशों की दर्दनाक मौत नहीं हुई होती।

उप जिलाधिकारी सदर हरदोई की अध्यक्षता में संपन्न हुआ समाधान दिवस

हरदोई,हरियावाँ, आज माह के चौथे शनिवार को उप जिलाधिकारी सुशील कुमार मिश्र सदर हरदोई की अध्यक्षता व थाना प्रभारी वीर बहादुर सिंह की उपस्थिति मे समाधान दिवस संपन्न हुआ। जिसमे आज कुल 16 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जो सभी राजस्व के है प्राप्त प्रार्थना पत्रो के त्वरित निस्तारण के उपजिलाधिकारी ने दिये कड़े निर्देश । राजस्व कर्मियों से कहा अपने अपने क्षेत्रों के प्राप्त प्रार्थना पत्रो को पुलिस बल? के सहयोग से मौके पर जाकर निस्तारण कराये ये भी कहा किसी प्रकार की लापरवाही ना करे थाना प्रभारी ने कहा पीड़ितो को न्याय दिलाना ये हमारी पहली प्राथमिकता है. इस अवसर पर एस आई शिव दत्त सिंह एस आई बृजेश सिंह दीवान वकील खान का. अभिन्न चौधरी महिला आरक्षी वंदना राजस्व कर्मी दीपक पाल तहसील शहाबाद शैलेश सिंह, पंकज मिश्र आदि राजस्व कर्मी व पुलिस कर्मी मौके पर मौजूद रहे।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा दिवस-2025 का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ ने दिनांक 26 अप्रैल 2025 को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया। इस अवसर पर एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रख्यात प्रोफेसर डॉ0 खिलराज पांडे ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में "बौद्धिक संपदा (IP) क्या है और किसी विचार को पेटेंट कैसे कराना चाहिए" विषय पर गहन एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बौद्धिक संपदा के विभिन्न पहलुओं, जैसे पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट एवं औद्योगिक डिज़ाइन आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को अपने नवाचारों के संरक्षण हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन स्कूल के महानिदेशक (तकनीकी) डा. भरत राज सिंह द्वारा किया गया। डॉ0 सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस की स्थापना, इतिहास और वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में इसकी महत्ता को रेखांकित करते हुए बताया कि नवाचार और रचनात्मकता के संरक्षण हेतु बौद्धिक संपदा अधिकार कितने महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर डॉ0 धर्मेंद्र सिंह (एसोसिएट डायरेक्टर), डॉ. हेमंत कुमार (डीन-इंजीनियरिंग), डॉ0 आशा कुलश्रेष्ठ, विभागाध्यक्ष -सिविल, सहित संस्थान के सभी संकाय सदस्य, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में डॉ0 कमलेश सिंह ने उपस्थित अतिथियों, वक्ता एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में नवाचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनके विचारों को सुरक्षित रखने के महत्व को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूपी बोर्ड परीक्षा परिणामों में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन

●अमेठी के विद्यार्थियों ने लहराया परचम अध्यापकों में खुशी विद्यालय व अभिभावकों का हुआ नाम रोशन

स्वतंत्र प्रभात

अमेठी भादर। उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा परिणामों में विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया है। इस बार के परिणामों में विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान और कौशल का बेहतरीन परिचय दिया है, जिससे उनके अभिभावक भी काफी प्रसन्न हैं। जी हां भादर ब्लाक के वी एस बी इंटरमीडिएट कालेज दसईपुर में पढाई कर हाई स्कूल के छात्र अभिषेक 78.16त्न लाकर विद्यालय के टॉपर रहे एवं सृष्टि मिश्रा 76.83त्न लाकर द्वितीय स्थान और पिंकी 72.83 प्रतिशत लाकर तृतीय स्थान हासिल किया वहीं इंटरमीडिएट की छात्रा शिवानी द्वारा 74.6? प्रतिशत लाकर प्रथम स्थान व शिवानी यादव 72.2 परसेंट लाकर द्वितीय स्थान एवं सिमरन सिंह 71.6 प्रतिशत लाकर तृतीय स्थान हासिल किया, वही विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि परीक्षा के अच्छे परिणाम आने से समस्त विद्यालय परिवार व अभिभावक गौरांवित महसूस कर रहे हैं, विद्यालय के प्राचार्य सत्य प्रकाश सिंह ने सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रबंधक सत्यदेव सिंह ने कहा कई विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से स्कूल और परिवार का नाम रोशन किया है।विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उनके भविष्य के लिए अच्छे अवसर खुलेंगे।अभिभावक अपने बच्चों के प्रदर्शन से काफी प्रसन्न हैं और उनकी सफलता के लिए बधाई दे रहे हैं।विद्यार्थियों को अपने प्रदर्शन को बनाए रखने और आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे।विद्यार्थियों को नई चुनौतियों का सामना करने और अपने कौशल को और भी विकसित करने का प्रयास करना होगा।इस बार के यूपी बोर्ड परीक्षा परिणामों में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन एक सकारात्मक संकेत है और उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही साथ विद्यालय के प्रबंधक सत्यदेव सिंह ने सभी बच्चों से अपील की कि मेहनत और लगन के साथ अपनी पढ़ाई को जारी रखें और आगे और भी बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय परिवार व अपने माता-पिता के गौरव को बढ़ाए तथा अपने उज्जवल भविष्य के सपनों को साकार करें उन्होंने उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी।

डीएवी अनपरा में आतंकवाद के खिलाफ एकजुट आवाज

●आतंकवाद मानवता और सद्भाव का सबसे बड़ा शत्रु - डॉ. आशुतोष मिश्रा

स्वतंत्र प्रभात

अनपरा, सोनभद्र। डीएवी पब्लिक स्कूल अनपरा ने अपने छात्रों को सर्वांगीण विकास प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में एक शक्तिशाली प्रदर्शन किया। विद्यालय, जो हमेशा सांस्कृतिक, शैक्षिक और खेल कौशल को बढ़ावा देने के साथ-साथ छात्रों में राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए सक्रिय रहता है, ने इस जघन्य कृत्य के खिलाफ अपनी कड़ी निंदा व्यक्त की।गौरतलब है कि 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 पर्यटकों की निर्मम हत्या ने पूरे विश्व को स्तब्ध कर दिया है। इस बर्बर घटना के विरोध में भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में आक्रोश की लहर है और जगह-जगह विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में, डीएवी पब्लिक स्कूल अनपरा के सभी छात्र, छात्राएं, शिक्षक, शिक्षिकाएं, प्रधानाचार्य और अन्य सदस्य आज काली पट्टी बांधकर विद्यालय पहुंचे। प्रार्थना सभा के दौरान, वरिष्ठ शिक्षक राजेंद्र कुमार मिश्रा ने राष्ट्रवाद के महत्व को एक उत्कृष्ट उदाहरण के माध्यम से समझाया, जिसमें राष्ट्र को सर्वोपरि बताया गया। वहीं, वरिष्ठ शिक्षक वसीम अख्तर खान ने आतंकवाद और पहलगाम की घटना की कड़ी भर्त्सना की। आतंकवादी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए विद्यालय परिसर में हवन का आयोजन किया गया। हवन के पश्चात, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए आतंकवाद को मानवता और आपसी सद्भाव का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद न केवल मानव जीवन को तबाह करता है, बल्कि शिक्षा, संस्कृति और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। उन्होंने छात्रों को आतंकवाद की हमेशा निंदा करने और इसे जड़ से खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आह्वान किया।

स्कूल चलो अभियान के तहत खंड शिक्षा अधिकारी की अगवाई में खंड विकास अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

स्वतंत्र प्रभात

बेनीगंज/हरदोई- ब्लॉक संसाधन केंद्र बेनीगंज विकासखंड कोथांवा में खंड शिक्षा अधिकारीप्रभावती के अगुवाई में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत रैली का आयोजन किया गयाद्य जिसमें मुख्य अतिथि खड विकास अधिकारी रामकिशोर ने हरी झंडी दिखाकर बच्चों की रैली का शुभारंभ किया। आवासीय कस्तूरबा बालिका विद्यालय बेनीगंज, संविलियन विद्यालय बेनीगंज सहित कई विद्यालयों के बच्चों ने रैली में प्रतिभाग कियाश रैली बेनीगंज कस्बे से होकर निकाली गई। इसमें बच्चों के हाथों में स्लोगन लिखी हुई दफ्तिया थी पढ़ी-लिखी लड़की रोशनी है घर की मम्मी पापा भूल न जाना विद्यालय में नाम लिखाना आधी रोटी खाएंगे स्कूल पढ़ने जाएंगे एक भी बच्चा छूटा संकल्प हमारा टूटा नारे लगाते हुए साथ में सभी संकुल प्रभारी व कई विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन अन्जू त्रिपाठी, सत्येंद्र तिवारी, पंकज रस्तोगी, विवेक कुमार, अरुणेंद्र प्रताप सिंह,नम्रता सिंह, शिव मूर्ति त्रिपाठी, राहुल कुमार, मनमोहन सिंह,रामप्रताप सिंह, अरविंद प्रताप सिंह सहित अध्यापकों ने रैली में प्रतिभाग किया।

"ऑपरेशन स्माईल" अभियान के तहत गुमशुदा बच्ची को सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया गया

स्वतंत्र प्रभात

~~**बेनीगंज/हरदोई-** "ऑपरेशन स्माईल"~~ अभियान के तहत थाना बेनीगंज पुलिस द्वारा शनिवार को कोतवाली परिसर में गुमशुदा बच्ची को सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया गया। परिजन अपने बच्चे को पाते ही खुशी जाहिर करते हुए पुलिस प्रशासन की वाह वाही कर रहे हैं। बता दे दिनांक 26 अप्रैल 2025 को सुबह एक नाबालिग लड़की उम्र करीब 12 वर्ष प्रतापनगर बस स्टैंड के पास अकेली घूम रही थी जिसकी सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी प्रताप नगर गोपाल मणि मिश्रा मय हमराही के साथ मौके पर पहुंचे लड़की से बातचीत कर उसके बारे में पूछा पहले वह कुछ नहीं बता रही थी केवल रो रही थी। किंतु चौकी प्रभारी ने उसे प्यार से बैठाकर सहायता करने का भरोसा दियाया। उसने बताया कि उसका नाम सोनम पुत्री राजकुमार निवासी ग्राम जोतपुर जनपद सीतापुर की रहने वाली है। वह अपने घर वालों की प्रताड़ना से नाराज होकर घर से बिना बताए कहीं बाहर भाग जाने की फिराक में जनपद सीतापुर के ग्राम जोतपुर से बस से प्रतापनगर आ गई थी। चौकी प्रभारी ने बताया लड़की की तस्वीर विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप में भेजकर और ष्ट प्लान ऐप से जोतपुर ग्राम के बारे में जानकारी की गई और करीब 10-12 लोगों से वार्ता की गई। जोतपुर ग्राम प्रधान का नंबर पता चला और पता चला कि यह ग्राम थाना मिश्रिख में है। प्रधान से जानकारी हुई कि उसके परिजन लड़की को थाना मिश्रिख में खोज रहे हैं। लड़की के पिता और परिजन से संपर्क कर उन्हें थाने पर बुलाकर, काउंसलिंग कर उन्हें उक्त गुमशुदा बालिका को उसके पिता राजकुमार पुत्र स्वर्गीय रामकिशुन निवासी ग्राम जोतपुर थाना मिश्रिख जनपद सीतापुर को सकुशल सुपुर्द किया गया। परिजनों ने बच्चें को पाते ही चेहरे खिल उठे और पुलिस प्रशासन को धन्यवाद किया।

ये नया भारत है घर में घुसकर ठोकेगा- नीरज बबलू मंत्री

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज, सुपौल – बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू क्षेत्रीय भ्रमण के क्रम में शुक्रवार की रात छातापुर पहूंचे। नीजि कार्यक्रम में शामिल होने पहूंचे मंत्री ने पहलगाम आतंकी घटना पर बिफरते हुए कहा कि यह नया भारत है जो घर में घुसकर ठोकना जानता है।पाकिस्तान ने जो प्रॉक्सी और मानवता को शर्मसार करने वाले घटना को अंजाम दिया है।वह अब बर्दाश्त नहीं हो सकता है। पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होने कहा कि मानवता के दुश्मन बने आतंकवाद का यह सबसे विभत्स स्वरूप है। पाकिस्तान परस्त आतंकियों के इस कायराना हमले से पुरे देश में उबाल है। लगातार प्रहार का नतीजा है कि आतंकी अब जांबाज भारतीय सेना का सामना करने से खौफ खाता है। पाकिस्तान में भारतीय सेना का सामने करने की हिम्मत नहीं है। मोदी सरकार के जीरो टॉलरेंस की नीति से आतंकवाद का कमर टुटा हुआ है।हताश होकर अब वह निहत्थे पर्यटकों पर हमला कर रहा है। बताया कि आतंकवाद एवं उसके आका अंतिम श्वांसे ले रहा है और उसे जड़ से खत्म करने का समय आ गया है पहलगाम घटना के बाद आतंकवाद का सफाया होना तय है। जल्द ही पाकिस्तान का भूगोल बदलेगा।

प्रेस क्लब डाला द्वारा आतंकवादी घटनाओं की घोर निंदा, शोकसभा आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

डाला, सोनभद्र/उत्तर प्रदेश जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुई हृदयविदारक आतंकवादी घटना की प्रेस क्लब डाला, सोनभद्र के समस्त पत्रकारों ने कड़े शब्दों में निंदा की है। इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिजनों के प्रति गहरा शोक और संवेदना व्यक्त करने के लिए प्रेस क्लब डाला द्वारा स्थानीय शहीद स्थल पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार डा ए के गुप्ता (रौनियार) ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन ईश्वर जायसवाल ने किया। शोक सभा को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष डा ए के गुप्ता ने कहा कि देश में रहने वाले सभी नागरिक हमारे परिवार के सदस्य हैं। धर्म के आधार पर लोगों की निर्मम हत्या करना एक अत्यंत निंदनीय और कायराना कृत्य है। उन्होंने सरकार से पुरजोर मांग की कि ऐसे आतंकवादियों को चुन-चुन कर सबक सिखाया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की भयावह घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। प्रेस क्लब के अध्यक्ष शशि चौबे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रेस क्लब के सभी पत्रकार इस बर्बर आतंकवादी घटना की घोर निंदा करते हैं। उन्होंने सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने का आह्वान किया और कहा कि पूरा पत्रकार समुदाय पीड़ितों के साथ खड़ा है। उन्होंने भी यही अपेक्षा जताई कि सरकार आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाए जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। प्रेस क्लब के संरक्षक मनोज तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह की अमानवीय घटना से पूरा देश गहरा आघात महसूस कर रहा है। उन्होंने इस कृत्य को अत्यंत निंदनीय बताया और केंद्र सरकार से ऐसे आतंकवादियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की, ताकि देश में शांति और सुरक्षा का माहौल बना रहे। शोक सभा में उपस्थित अन्य पत्रकारगणों ने भी इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर डा ए के गुप्ता (रौनियार), मनोज तिवारी, शशि चौबे, शाहनवाज शाह, अभिषेक शर्मा, शोएब खान, ईश्वर जायसवाल, संजय केसरी, संतोष सिंह, मंटू शर्मा, मिथिलेश भारद्वाज, मनोज चौरसिया, सोनू पाठक, कैलाश बिहारी सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की और पीड़ितों के न्याय के लिए सरकार से त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

रेणुकूट में मानवता की मिसाल टीम निशा बबलू सिंह ने दिखाई तत्परता, पहुंचाया पीड़ित को सहारा

स्वतंत्र प्रभात

रेणुकूट- रेणुकूट में हाल ही में हुई एक दुखद घटना, जिसमें हाई टेक क्रॉसिंग के पास सलमान नामक एक युवक ट्रेन की चपेट में आकर अपनी जान गंवा बैठा, ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि विपरीत परिस्थितियों में भी इंसानियत और मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। इस मुश्किल घड़ी में, टीम निशा बबलू सिंह के सदस्यों ने जिस तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय दिया, वह वास्तव में सराहनीय है और समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत है।घटना 26 अप्रैल, 2025 को रेणुकूट हाई टेक क्रॉसिंग के पास घटी। जैसे ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की सूचना टीम निशा बबलू सिंह के सदस्यों तक पहुंची, उन्होंने बिना किसी देरी के घटनास्थल की ओर रुख किया। यह दिखाता है कि टीम न केवल किसी भी आपात स्थिति के प्रति सजग है, बल्कि पीड़ितों की सहायता के लिए तुरंत कार्रवाई करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।मौके पर पहुंचने के बाद, टीम के सदस्यों ने स्थिति की गंभीरता को समझा और तत्काल स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचित किया। यह कदम कानूनी प्रक्रियाओं को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसके बाद, टीम ने मृतक सलमान के शव को सम्मानपूर्वक हिंडालको मोर्चेरी में रखवाने में सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी इस मानवीय पहल ने यह सुनिश्चित किया कि मृतक को उचित सम्मान मिले और आगे की प्रक्रियाएं व्यवस्थित ढंग से हो सकें।टीम निशा बबलू सिंह के सदस्य डब्लू सिंह ने इस पूरे घटनाक्रम पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, ÷अंधी हो या तूफान, सब पुकारे भगवान, तो निकाल के आए टीम निशा सिंह, इंसानियत और मानवता का मिसाल। जय हिन्द, मै डब्लू सिंह अपने प्रभू का दास।÷ उनके यह शब्द टीम के समर्पण और मानवीय मूल्यों के प्रति उनकी गहरी आस्था को दर्शाते हैं।यह घटना न केवल एक व्यक्ति की दुखद मौत की कहानी है, बल्कि यह उन लोगों की कहानी भी है जो बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। टीम निशा बबलू सिंह ने यह साबित कर दिया कि जब इंसानियत और करुणा का भाव प्रबल होता है, तो किसी भी मुश्किल परिस्थिति का सामना किया जा सकता है और पीड़ितों को सहारा दिया जा सकता है। रेणुकूट में टीम निशा बबलू सिंह द्वारा दिखाई गई यह तत्परता और मानवीय संवेदना अन्य सामाजिक संगठनों और व्यक्तियों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण है। यह याद दिलाता है कि समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है जो निस्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता के लिए आगे आएं और मुश्किल समय में सहारा बनें। टीम निशा बबलू सिंह ने न केवल एक दुखद घटना पर त्वरित प्रतिक्रिया दी, बल्कि उन्होंने इंसानियत और मानवता के मूल्यों को भी जीवंत रखा। उनकी यह पहल निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के वार्ड तक सभी मंदिरों में करेंगे श्रद्धांजलि सभा, निकालेंगे आक्रोश मार्च- जगद्गुरु स्वामी योगी जी महाराज

दिल्ली जगद्गुरु स्वामी योगी जी महाराज ने उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि अब समय धर्म की जागृति का है, सभी हिंदुओं को एक होना होगा आज दिल्ली श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा दिल्ली के सभी पूज्य संत, विश्व हिंदू परिषद, आर्य समाज तथा अन्य धार्मिक संस्थाओं के साथ सरकार से आतंकवाद के समूल नाश के लिए जो भी करना पड़े, करें, हम सभी आपके साथ हैं।दिल्ली के सभी सनातन धर्म मंदिरों एवं सभी धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से आग्रह है कि सभी आने वाले सप्ताह में सभी प्रकार के कीर्तनों में दिवंगत हिंदुओं के लिए श्रद्धांजलि पाठ करें, सभा करें और जगह जगह आक्रोश मार्च निकालें। सभी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अशोक सचदेवा जी ने बताया कि सभा अब वार्ड स्तर तक अपनी टीम बना रही है। कोरोना से पहले सभा के साथ 3500 से ज्यादा मंदिर जुड़े थे, अब पूरी दिल्ली में 6000 से ज्यादा मंदिरों को वार्ड तक टीम बनाकर जोड़ेंगे।कार्यालय मंत्री सुमीत अलघ ने बताया इस प्रदर्शन में दिल्ली के प्रत्येक क्षेत्र से कार्यकर्ता आए, प्रांत संगठन मंत्री सुशील कुमार शुक्ला, हरि नगर विधानसभा क्षेत्र से अध्यक्ष श्री सुदर्शन आनंद अपनी टीम के साथ बस लेकर आए तथा साथ में रिक्की जी, अध्यक्ष राजौरी गार्डन विधानसभा सहित अशोक अग्रवाल ठाठी भी सम्मिलित रहे।

प्रदेश कमेटी द्वारा डॉ. शराफत अली जिला अध्यक्ष घोषित

जलालाबाद- शाहजहांपुर। भारतीय पराचिकित्सीय एसोसिएश भारत कार्यालय उत्तर प्रदेश अध्यक्ष विशांत गर्ग भारतीय पराचिकित्सीय एसोसिएश भारत प्रदेश कार्यालय द्वारा जिला कमेटी की घोषणा की गई जिसमें शाहजहांपुर जनपद से शराफत अली को प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष की संतुष्टि के आधार पर निर्विरोध शाहजहांपुर जनपद से शराफत अली को जिला अध्यक्ष घोषित किया गया वह निर्विरोध जिला अध्यक्ष शराफत अली मंसूरी ने भारतीय पराचिकित्सीय एसोसिएश भारत के सभी सदस्य एवं पदाधिकारी का आभार जाता है और संगठन के सदैव खड़े रहने का वादा किया वही शराफत अली को शाहजहांपुर जनपद मुझे जिला अध्यक्ष घोषित होने के उपरांत इनके सिटी हेल्थ केयर पर बधाई देने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और सभी ने शराफत अली को मिठाई खिलाकर बधाई दी गई।

पाकिस्तान का पुतला फूंक कर जमकर नारेबाजी

शाहजहांपुर- विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकर्ताओं ने शाहजहांपुर के खिरनी बाग चौराहे पर पाकिस्तान का पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन पुलवामा में हुए आतंकी हमले के विरोध में किया गया था। कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुतले को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा की जा रही आतंकवादी गतिविधियों की निंदा की जानी चाहिए और इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया और भारत सरकार से मांग की कि वह पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

प्रतिदिन घर-घर जाकर की पीडीए पर मीटिंग व चर्चा

शाहजहांपुर। ददरौल विधानसभा के ग्राम कमल नारायणपुर,रहमाननगर माफी,कृष्णापुर गोटिया राजपुर गुमटानी में लोगो से मिलकर पीडीए पर चर्चा की और पीडीए से जुड़ने के लिए सभी से अपील की।इस मौके पर लखन प्रताप सिंह व जिला उपाध्यक्ष असलम खान, प्रदेश सचिव शशांक मिश्रा, दीपक दुवेदी, शरद शर्मा, तारीख खान, एहसान खान, मुस्तकीम अली, जिला सचिव, ओमप्रकाश, हीरालाल (प्रधान), कमलनिवास, नन्हेंलाल, वीरेश यादव, सुखपाल यादव, संतोष यादव, राजपाल यादव सुखबीर यादव,रामकृष्ण यादव, सचिन यादव, ओंकार सिंह यादव,राम रतन, राधेश्याम, रिजवान भाई, आदि लोग मौजूद रहे।

आरएसएस की महिला शाखा राष्ट्र सेविका समिति की मांग पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को मिले शहीदों का दर्जा

● आयोजन में महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र सेवा हेतु किया मातृशक्ति का आह्वान

नई दिल्ली शालीमार गार्डन, गाजियाबाद में महिलाओं में राष्ट्र सेवा की भावना, जागरूकता तथा संगठित मातृशक्ति के निर्माण हेतु राष्ट्र सेविका समिति (आरएसएस की महिला शाखा) द्वारा एक प्रेरणादायक बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आदरणीया बहन दीप्ति शर्मा (प्रान्त सह शारीरिक प्रमुख, मेरठ प्रान्त, राष्ट्र सेविका समिति) तथा आदरणीया बहन कविता गोयल (महानगर कार्यवाहिका वैशाली नगर सह विभाग कार्यवाहिका गाजियाबाद) द्वारा सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन आदरणीया बहन रीमा वर्मा ने किया।बैठक की शुरुआत मातृशक्तियों द्वारा 'अखंड भारत माता' और वंदे मातरम' के जयकारा लगाया गया द्य तत्पश्चात, पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए सैलानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया और उन्हें शहीद का दर्जा देने की मांग की गई इसके उपरांत, भारत माता पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बालिकाओं द्वारा 'अखंड भारत माता', 'रामलला', 'काशी विश्वनाथ', तथा 'मथुरा' से सम्बंधित भव्य झांकियों के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई, जिससे उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति और गौरव का भाव जाग्रत हुआ। कार्यक्रम प्रभारी बहन रीमा वर्मा ने राष्ट्र सेविका समिति एवं जनसंघ के संस्थापक पूज्यनीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों पर प्रकाश डाला तथा हिन्दू राष्ट्र के प्रति उनके दृष्टिकोण को साझा किया। विशेष उल्लेखनीय रहा कि बंगाली बहनों ने इस अवसर पर विशेष प्रसाद वितरण कर आयोजन की शोभा बढ़ाई।

आदरणीया दीप्ति शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा, "स्त्री संगठित राष्ट्र की आधारशिला है।" उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से संगठित होकर

भारत की सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा एवं प्रगतिशील नारी निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। आदरणीया कविता गोयल ने महिलाओं के संगठित होने के लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संगठित मातृशक्ति राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है साथ ही, उन्होंने समिति के माध्यम से महिलाओं को अपने अधिकारों तथा कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने हेतु प्रेरित किया कार्यक्रम का संचालन बहन हिना वर्मा ने अत्यंत कुशलता से किया। अंत में, कार्यक्रम प्रभारी आदरणीया रीमा वर्मा ने सभी मे आये सभी आंगतुको एवं बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्तियों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का सफल समापन किया।

महिला बाल विकास अधिकारी बुढार के साथ कलेक्टर कमिष्नर सी.एम. तक हुई शिकायत

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल महिला बाल विकास बुढ़ार अंतर्गत हो रही गड़बड़ी को लेकर अधिवक्ता बृजेष कुमार गौतम ने जिला कलेक्टर सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को पूर्व में की गई षिकायत की कार्यवाही ठण्डे बस्ते में जिला महिला बाल विकास अधिकारी द्वारा रखने पर कई बार इस संबंध में चर्चा में पाया गया कि गड़बड़ी का पूर्ण संरक्षण जिला महिला बाल विकास अधिकारी के संरक्षण में खुलेआम फल फूल रहा है, षिकायत में आंगनबाड़ी क्रमांक 7 धनपुरी भाग 1 की पूर्व की कार्यकर्ता उसी वार्ड में सुपरवाईजर के पद पर विभाग द्वारा नियुक्ति की गई है। मूल निवास भी धनपुरी वार्ड क्र.7 व सभी सगे संबंधी निवासरत हैं, वर्षो से पदस्थ होने के कारण आंगनबाड़ी केन्द्रो में खुलेआम गड़बड़ी सुपरवाईजर द्वारा करायी जा रही है।

महिला बाल विकास बुढ़ार के यहां से सूचना के अधिकार के माध्यम से 20.03.2025 की जानकारी के अनुसार अपने नजदीकी नं. 3, नं. 10, जो धनपुरी भाग 1 में संचालित है, जिसके घरों में आंगनबाड़ी संचालित है सुपरवाईजर के सहयोग से किराया भी असानी से भुगतान किया जा रहा है। जो लोग सुपरवाइजर को सुविधा शुल्क नही देते उनको आंगनबाड़ी संचालित केन्द्रो का भुगतान किराया नही दिया जा रहा कई ऐसे कार्यकर्ता सहायिका के संरक्षण में है जो काफी समय तक छुट्टी में रहने के बाद भी सुपरवाईजर द्वारा पूरे माह की वेतन दिलाया जाता है। अधिवक्ता बृजेष कुमार गौतम को सुपरवाईजर एवं उनके सहयोगियों द्वारा धमकाया गया कि तुम अपना आवेदन वापस ले ले, और यह भी गया कि मेरे खिलाफ कहीं पर लिखा पढ़ी करते हो तो कोई प्रभाव नही पड़ेगा क्योकि मेरे पहुच शासन प्रषासन एवं उपर बैठे अधिकारियों से है। विभाग द्वारा विभागीय जॉच में यह सूत्रों द्वारा पता चला की पर्याप्त दोष सिद्ध हो चुके हैं, इसके बाद भी महिला बाल विकास जिला अधिकारी शहडोल द्वारा जान3 बूझकर अभयदान देकर विभाग को बदनाम कर रहे हैं।

केन्द्रीय बकरी संस्थान में विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया

● पांच गांव से 50 बकरी पालन 250 बकरियों के साथ सम्मिलित हुए

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम (मथुरा) में शनिवार को विश्व पशु चिकित्सा दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्थान में कार्यरत अनुसूचित जाति विकास कार्य योजना व पशु स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित किया। जिसमें फरह व्लॉक के पांच गांव से 50 बकरी पालक 250 बकरियों के साथ सम्मिलित हुए। विश्व पशुचिकित्सा दिवस के इस अवसर पर संस्थान में अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गई जिसमें सभी बकरियों को कृमिनाशक दवा पिलाई, बकरी के लंगड़ेपन का इलाज किया तथा दस दवाइयों की औषधि किट, खनिज लवण तथा वार्षिक बकरी पालन विवरणिका जिसमें माह वार वैज्ञानिक बकरी पालन से सम्वन्धित जानकारी एकत्रित हैं सभी बकरी पालक सहभागियों को वितरित की। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान निदेशक, डा. मनीष कुमार चेटली ने बकरियों में कृमिनाशक दवा पिलाकर किया। निदेशक ने सभी बकरी पालकों को बकरी के स्वास्थ्य प्रबंधन की उपयोगिता के बारे में बताया तथा यह भी भरोसा दिलाया कि यह संस्थान बकरी पालकों की सेवा के लिये सदैव तत्पर रहता है।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि हमारे संस्थान में बकरियों की अनेक घातक बीमारियों का पता करने के लिए नमूनों की जांच निःशुल्क की जाती है। संस्थान में चल रही अनुसूचित जाति विकास कार्य योजना की जानकारी देते हुए डा. गोपाल दास ने बताया कि हमारा संस्थान गरीब बकरी पालकों को उनकी आय वृद्धि करने के लिए अनेक सुविधाएं प्रदान करता है। इस अवसर पर डा. मनीष कुमार चेटली, निदेशक, डा. गोपाल दास, प्रभारी अनुसूचित जाति विकास कार्य

केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदमू में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद किसान।

योजना, डा. नितिका शर्मा, डा. विनय चतुर्वेदी, स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य विभाग व अनुसूचित जाति परियोजना के सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बकरी पालकों में काफी उत्साह देखने को मिला तथा यह सुबह 9:00 बजे से प्रारम्भ होकर दोपहर एक बजे तक सफलतापूर्वक पूर्वक सम्पन्न हुआ।

नशे में दोस्तों से की मजाक, गोली खाकर आत्महत्या करने की सोशल मीडिया पर लगा दी पोस्ट

शाहजहांपुर। थाना कांट पुलिस व मीडिया सेल द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफोर्म पर प्राप्त आत्महत्या करने से सम्बन्धित पोस्ट तत्काल कृत कार्यवाही के सम्बन्ध में।आत्महत्या करने से सम्बन्धित पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफोर्म पर मीडिया सेल को प्राप्त हुई जिसके उपरान्त तत्काल कार्यावाही करते हुए थाना कांट पुलिस को गोली खाकर आत्महत्या करने से सम्बन्धित पोस्ट, मो0नं0 व लोकेशन उपलब्ध करायी गयी थी जिसपर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना कांट के उ0नि0 कुलदीप कुमार व राजकुमार व सुनील कुमार को मौके पर आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजा गया। जिसके क्रम में पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुँच कर पूछताछ की गयी तो सोशल मीडिया प्लेटफोर्म पर पोस्ट करने वाला व्यक्ति घर पर मौजूद मिला। उससे पोस्ट के संबंध में पूछा गया तो बताया कि मैनें नशे में दोस्तों से मजाक करने के उद्देश्य से गोली खाकर आत्महत्या करने सम्बन्धी पोस्ट लगा दी थी, लेकिन मुझे गलत लगने पर मेरे द्वारा पोस्ट को हटा दिया गया। मुझे अपनी निजी जिन्दगी से कोई परेशानी नही है। मैं भविष्य में इस प्रकार का कोई कृत्य नहीं करूंगा। जिसके संबंध में पोस्ट करने वाले व्यक्ति की उसके परिजनो के समक्ष विडियोग्राफी भी की गयी। वर्तमान मे किसी प्रकार की कोई समस्या नही है।

सफदरजंग अस्पताल- चिकित्सा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली: सफदरजंग अस्पताल ने अपने रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम में एक नई उपलब्धि हासिल की है। यहां 36 वर्षीय महिला की जटिल रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। महिला को एक विशाल एड्रेनल ट्यूमर का पता चला था। सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल ने बताया कि 18.2 × 13.5 सेमी का यह एड्रेनल ट्यूमर दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा एड्रेनल ट्यूमर है, जिसे रोबोटिक तरीके से न्यूनतम इनवेसिव तरीके से हटाया गया है।रोबोटिक सर्जरी यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. पवन वासुदेवा ने डॉ. नीरज कुमार और डॉ. अविषेक मंडल के साथ मिलकर की। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. सुशील, डॉ. भव्या और डॉ. मेघा शामिल थीं यह प्रक्रिया ख़तरों से भरी हुई थी क्योंकि ट्यूमर न केवल बहुत बड़ा हो गया था बल्कि शरीर की तीन महत्वपूर्ण संरचनाओं यानी इंफीरियर वेना कावा, लिवर और दायाँ गुर्दा पर भी कब्ज़ा कर लिया था और ख़तरनाक तरीके से चिपक गया था। यह ज़रूरी था कि ट्यूमर को आसपास की महत्वपूर्ण संरचनाओं को नुकसान पहुँचाए बिना पूरी तरह से हटा दिया जाए। डॉ. वासुदेव ने कहा कि सटीक विच्छेदन ऐसी सर्जरी करने की कुंजी है और दा विंची रोबोट के 3डी विज़न और उसके निपुण रोबोटिक हाथों की मदद से जटिल सर्जरी को आमतौर पर लेप्रोस्कोपी से ज़्यादा सटीकता के साथ किया जा सकता है। इस मामले में, सर्जरी तीन घंटे से ज़्यादा चली और ट्यूमर को बिना किसी जटिलता के पूरी तरह से हटाया जा सका। ऑपरेशन के बाद रिकवरी में कोई समस्या नहीं हुई और मरीज़ को 3 दिन में छुट्टी दे दी गई। रोबोटिक सर्जरी कई फ़ायदे देती है, जिसमें छोटे कीहोल चीरे, सटीक काम, ऑपरेशन के बाद कम दर्द, ऑपरेशन के बाद जल्दी रिकवरी और काम पर जल्दी वापसी शामिल है। डॉ. वासुदेवा ने बताया कि अगर यह सर्जरी खुले रास्ते से की जाती तो इसके लिए 20 सेंटीमीटर से ज़्यादा त्वचा चीरा लगाना पड़ता और इसके बाद पूरी तरह ठीक होने में कुछ हफ़्ते लगते। डॉ. संदीप बंसल ने कहा कि यह उपलब्धि रोबोटिक सर्जरी में सफ़दरजंग अस्पताल की विशेषज्ञता और सभी रोगियों को निःशुल्क अत्याधुनिक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के प्रति इसके समर्पण को दर्शाती है। इस तरह की जटिल रोबोटिक सर्जरी, जो सफ़दरजंग अस्पताल में निःशुल्क की जाती, निजी क्षेत्र में कुछ लाख से ज़्यादा खर्च होती।

दक्षिण दिल्ली पुलिस टीम ने एक कुख्यात ऑटो चोर को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। एएटीएस, दक्षिण जिले की टीम ने एक कुख्यात ऑटो चोर मोहम्मद को गिरफ्तार करके सराहनीय कार्य किया है। आमिर उर्फ आमिर को एक ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी के बाद गोली लगने से घायल होने पर गिरफ्तार किया गया। एफआईआर संख्या 163/25 दिनांक 25.04.2025 धारा 221/132/109(1)/345/3(5) बीएनएस और 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत साकेत, दिल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। उसके कब्जे से 01 कार और 01 देशी पिस्तौल बरामद की गई।

एएटीएस, दक्षिण जिले की टीम को विशेष रूप से अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने का काम सौंपा गया था, खासकर ऑटो-लिफ्टिंग और स्नैचिंग में लिप्त। तदनुसार, कर्मचारियों ने स्थानीय मुखबिरों को जागरूक करके और मानव खुफिया जानकारी एकत्र करके ईमानदारी से प्रयास शुरू किए। परिणामस्वरूप, क्षेत्र में रोकथाम और पता लगाने के लिए दिन और रात के अलग-अलग समय पर संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त तेज कर दी गई। कर्मचारी लगातार विभिन्न गिरोहों के अपराधियों को गिरफ्तार करने के प्रयास कर रहे थे। सूचना और पता लगाना - अपराध पर अंकुश लगाने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए, श्री अरविंद एसीपी/ऑपरेशन/एसडी के समग्र पर्यवेक्षण में इंस्पेक्टर उमेश यादव, प्रभारी एएटीएस/एसडी के नेतृत्व में एएसआई मकसूद खान नंबर 2276/एसडी, एचसी संदीप नंबर 434/एसडी, एचसी रघुवेंद्र नंबर 1077/एसडी, एचसी अरविंद नंबर 1327/एसडी, एचसी कृष्ण नंबर 369/एसडी, एचसी कमल प्रकाश नंबर 3018/एसडी, एचसी सोमवीर नंबर 8200/डीएपी, कांस्टेबल देवेंद्र नंबर 1612/एसडी और कांस्टेबल कानाराम नंबर 1959/एसडी की एक टीम को सतर्क रहने और क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की आवाजाही पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया गया था। 24/25 अप्रैल की मध्य रात्रि में जब टीम के सदस्य पुष्प विहार साकेत पिकेट पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे, अचानक लगभग 0130 बजे एक कार संदिग्ध परिस्थितियों में आती हुई दिखाई दी। पुलिस पिकेट को देखकर चालक ने कार को पिकेट से पहले रोक दिया, लेकिन कुछ मिनटों के बाद

वह पिकेट की ओर आया। पुलिस कर्मचारियों ने रुकने का इशारा किया लेकिन वह आगे बढ़ गया और बैरिकेड्स को टक्कर मारकर भागने का प्रयास किया। प्रयास के दौरान कार बैरिकेड्स में फंस गई। स्थिति का पेशेवर ढंग से आकलन करते हुए सतर्क कर्मचारियों ने तेजी से कार्रवाई की, इसी बीच वाहन में सवार 02 लोग, जो आग्नेयास्त्रों से लैस थे, ने पुलिस टीम पर दो राउंड फायरिंग कर दी। सतर्क कर्मचारी इस हमले से बाल-बाल बच गए। सराहनीय साहस और संयम का प्रयोग करते हुए टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी व्यक्ति के बाएं पैर में गोली लग गई। हालांकि, दूसरा आरोपी व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर किसी तरह भागने में सफल रहा। बाद में पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहम्मद आमिर उर्फ आमिर के रूप में हुई।

उत्कृष्ट शिक्षा और रोजगार का अद्भुत संगम है जीएलए विश्वविद्यालय

● जीएलए के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल की प्रेरणा से शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है विश्वविद्यालय

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। ब्रज भूमि में स्थित शिक्षा के क्षेत्र में देश भर में प्रतिष्ठित जीएलए संस्थान छात्र-छात्राओं की पहली पसंद बनता जा रहा है। जीएलए के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल की प्रेरणा से शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा शैक्षणिक लक्ष्य वर्तमान व भावी शैक्षिक तथा व्यावसायिक क्षेत्रों में नवीनतम शैक्षिक अनुसंधान व तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हुए श्रेष्ठता के नये मापदण्ड स्थापित करना है। आज हर क्षेत्र में अनन्त सम्भावनाएँ उपलब्ध हैं। इन सम्भावनाओं को साकार कर आज का युवा न केवल स्वयं सफलता के शिखर पर पहुंच सकता है, बल्कि देश-समाज और मानवता के हित में भी बहुत कुछ कर सकता है। बात है सिर्फ उचित मार्गदर्शन और सही अवसर की। जीएलए विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को सर्वश्रेष्ठ दिशा-निर्देशन तथा आधुनिकतम तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ पूरी तरह सही अवसर उपलब्ध कराने को दृढ प्रतिज्ञ है। आगरा-मथुरा-दिल्ली हाईवे एनएच-19 के बीचों बीच शोर-शराबे से दूर, प्रदूषण मुक्त एवं हरी-भरी भूमि पर स्थापित मथुरा का जीएलए विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के शैक्षिक इतिहास में सही अर्थों में एक मील का पत्थर है।

वर्तमान समय में हर शैक्षणिक संस्था के लिए यह अनिवार्य हो चुका है कि वह अपने सभी छात्रों को उनके चुने हुए पसंदीदा क्षेत्र का आधुनिकतम शैक्षिक तकनीकी ज्ञान तथा अनुसंधान उपलब्ध कराये। साथ ही उनके मानसिक व रचनात्मक स्तर को भी सर्वश्रेष्ठ ढंग से विकसित करे। जीएलए विश्वविद्यालय ने प्रारम्भ से ही इस तथ्य को अपने स्वैच्छिक तथा आधारभूत सिद्धान्त के रूप में अपनाया है। यही कारण है कि जीएलए विष्वविद्यालय में हर ब्रान्च, हर विषय का पाठ्यक्रम श्रेष्ठता के सभी मापदण्डों पर खरा उतरने के साथ-साथ छात्रों में सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक सोच को भी विकसित करता है।

किसी भी विषय को सीखने-समझने के लिए अलग-अलग तरीके होते हैं। किसी छात्र को कोई विषय सुनकर अच्छी तरह समझ आता है, किसी छात्र को पढ़कर समझ आता है, किसी छात्र को वही विषय डिस्कशन के द्वारा समझ आता है, तो वहीं किसी छात्र को उस विषय पर पूछे गये प्रश्नों को हल करके। इसी प्रकार कुछ छात्रों को कोई विषय 'प्रोजेक्ट एक्टिविटि' के द्वारा तथा कुछ को उस 'विषय' से सम्बन्धित प्रयोगों को स्वयं प्रयोगशाला में, वास्तविक रूप से करके ही समझ आता है। जीएलए विश्वविद्यालय ने अपने सभी विषयों व पाठ्यक्रमों में शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए इन विधियों-तरीकों को निष्पक्ष रूप से अपनाया है ताकि हर छात्र अपनी रूचि के अनुरूप अपने विषय शाखा में पारंगत हो सके। विश्वस्तरीय तथा सुविख्यात संस्थानों जैसे कि आईआईटी, एनआईआईटी से जुड़े रह चुके युवा शोधार्थियों तथा अनुभवी शिक्षक विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। यह शिक्षक न केवल लैक्चर तक ही सीमित है, बल्कि हर पक्ष हर बिन्दु को पूरी तरह व्यावहारिक तथा प्रायोगिक ढंग से समझाते हैं, ताकि छात्र-छात्राऐं अपने विषयों पर गहराई तक पूरी पकड़ प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय का मूल मन्त्र 'परफैक्ट टीचिंग के साथ-साथ परफैक्ट लर्निंग' भी है।

जीएलए ऑनलाइन- जीएलए विश्वविद्यालय में दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई) बीबीए, बीसीए, बी.कॉम, एमबीए और एमसीए जैसे यूजीसी मान्यता प्राप्त/हकदार ऑनलाइन डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है।

सेंट्रल लाइब्रेरी- जीएलए यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी सिस्टम में 15 लाइब्रेरी नेटवर्क शामिल हैं, यानी सेंट्रल लाइब्रेरी, ग्रेटर नोएडा कैंपस लाइब्रेरी, इंस्टीट्यूट लाइब्रेरी, डिपार्टमेंटल लाइब्रेरी और हॉस्टल लाइब्रेरी जो सामूहिक रूप से यूनिवर्सिटी के शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार कार्यक्रमों का समर्थन करते हैं। वर्तमान में, पुस्तकालयों में एक लाख 99 हजार 230 से अधिक मुद्रित पुस्तकें और 31 पत्रिकाएं, 1071 ई-जर्नल, विश्वकोश, 9 हजार 850 सीडी और ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाले कई ऑनलाइन डेटाबेस हैं। यूनिवर्सिटी के पास रिफ्रेड एनडीएल ऑफ इंडिया और डेवलपिंग लाइब्रेरीज नेटवर्क आदि के माध्यम से पांच करोड़ से अधिक ई-बुक्स, थीसिस, आर्टिकल्स, वीडियो और ऑडियो लेक्चर तक पहुंच है।

रैंकिंग और मान्यताएं जीएलए विश्वविद्यालय को 3.46 स्कोर के साथ प्रतिष्ठित एनएएसी ए प्लस ग्रेड से मान्यता प्राप्त है, जो भारत में सभी एनएएसी (नैक) ए प्लस मान्यता प्राप्त राज्य और निजी विश्वविद्यालयों के बीच उच्चतम स्कोर है। इसे यूजीसी से 12बी का भी दर्जा मिला है और यूजीसी, पीसीआई, एनसीटीई और बीसीआई द्वारा अनुमोदित है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय नवीनतम एनआईआरएफ इनोवेशन रैंकिंग 2024 में भारत के शीर्ष 53 फार्मेसी संस्थानों की लीग में शामिल हो गया है। इसके अलावा, इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, जीएलए यूनिवर्सिटी को वर्ष 2020 में आईएसीबीई मान्यता मिली है। वहीं एग्रीकल्चर विभाग को आईसीएआर से मान्यता मिली है। बिजनेस एजुकेशन के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायन परिषद (आईएसीबीई), यूएसए से मान्यता है।

आवासीय सुविधाएं- आवासीय क्षेत्र या अधिक लोकप्रिय रूप से 'हॉस्टल विंग' के रूप में जाने जाने वाले क्षेत्र विशेष रूप से लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग बनाए गए हैं। परिसर में 6000 से अधिक छात्र रहते हैं। अंशकालिक विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्णकालिक रेजिडेंट डॉक्टर्स। परामर्शदाता छात्र की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं। परिसर के भीतर 3 एटीएम के साथ इंडियन ओवरसीज बैंक की एक पूर्ण बैंक शाखा और एचडीएफसी बैंक की स्मार्ट लॉबी।

मुख्य विशेषताएं- विश्वविद्यालय के 8 हजार 500 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित, 600 से अधिक पेटेंट प्रकाशित और 74 से अधिक पेटेंट ग्रांट हुए। 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एमओयू और 19.5 करोड़ से अधिक परियोजनाएं संचालित हैं।

आधिकारिक तौर पर जीएलए लॉन्च पैड के नाम पर इन्क्यूबेशन सेंटर के लिए यूपीआईटी से वित्त पोषित एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए स्थापित है। भारत का 14वां संस्थान जिसके पास न्यू जेनरेशन इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योर डेवलपमेंट सेल (डीएसटी से

जीएलए के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल और जीएलए विश्वविद्यालय परिसर

वित्तीय सहायता के साथ न्यूजेन आईईडीसी) है। छात्रों को कैंपस के बाहर स्टार्ट-अप के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जीएलए विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर में 65 स्टार्ट-अप इन्क्यूबेटेड हैं। जिनमें से 12 स्टार्टअप को करीब 94 लाख रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है।

प्लेसमेंट की मुख्य बातें- 500 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बीते सत्र के 3 हजार से अधिक छात्रों को प्लेसमेंट ऑफर। 55 लाख से अधिक के पैकेज पर छात्रों को प्लेसमेंट ऑफर हुए। एनजेयूएमए कंसल्टिंग, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, कैपजेमिनी, इंफोसिस, ड्रीम 11, एक्सेंचर, बायजूस और कई अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के लिए जीएलए विश्वविद्यालय आती हैं। पिछले 5 वर्षों में 86 प्रतिशत प्लेसमेंट। 6000 से अधिक अल्यूमिनाई विदेशों में सेवाएं दे रहे हैं। आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कैपजेमिनी ने जीएलए में अपना कोड एक्सपीरियंस सेंटर खोला है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र के करीब 2100 से अधिक छात्रों का चयन 500 से अधिक कंपनियों में हो चुका है। बीते वर्ष से जीएलए विश्वविद्यालय ने टॉप वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 501 से 600 रैंकिंग की सूची में जगह बनाई है।

जीएलए के अल्यूमिनाई सरकारी सेवा में उच्च पदों पर आसीन कुलाधिपति

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने बताया कि जीएलए विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषता और गर्व करने वाली बात यह है कि यहां के अल्यूमिनाई केन्द्रीय एवं प्रदेश स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी सेवा में उच्च पदों पर आसीन हैं। जिनमें विभिन्न कोर्सों से शिक्षा ग्रहण कर चुके अल्यूमिनाई आइएएस 3. आईएस 13, इंस्पेक्टर 9. आइआरएमएस 2. मेजर 7. साइंटिस्ट 15, पीसीएस 10, कमिश्नर 2, आइएफएस 1, आइपीएस 1. आइआरएस 2, एसडीएम 1, मेयर 1 हैं।

नामी गिरामी प्राइवेट कंपनियों में सेवाएं दे रहे अल्यूमिनाई

अमेजन, फेसबुक, गूगल, माइकोसॉफ्ट, एप्पल, नेसले, रिलाइंस, एडीडास, एचएसबीसी, हिताची, वाल्मार्ट, उएम, सिस्को, बैंक ऑफ अमेरिका आदि दिग्गज कंपनियों, डायरेक्टर, जीएम, एवीपी, फाउंडर, वाइस प्रेसीडेंट जैसे पदों पर नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

जीएलए तो खेलकूद में भी आगे

जीएलए विश्वविद्यालय भी खेलकूद में हमेशां आगे रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेले जाने वाले बैडमिंटन, फुटबाल, वॉलीबाल, क्रिकेट, योगा सेंटर के अलावा एथलेटिक्स का ट्रेक है। यही कारण है कि जीएलए के छात्र राष्ट्रीय लेवल पर होने वाले खेलों में बेहतर प्रदर्शन के साथ मेड़लों पर कब्जा जमाते हैं। हाल ही में बीते दिनों हरकोर्ट बटलर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानुपर में आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में विभिन्न खेलों में 27 पदकों पर जीएलए विश्वविद्यालय का नाम दर्ज कराया है। एथलेटिक्स गोल्ड मेडल 12, सिल्वर मेडल 3, ब्रोंज मेडल 3. कबड्डी में गोल्ड मेडल, फुटबॉल में गोल्ड मेडल, बास्केटबॉल में गोल्ड मेडल, वॉलीबॉल में गोल्ड मेडल, टेबल टेनिस में गोल्ड मेडल, पावरलिफ्टिंग में 2 गोल्ड, 1 सिल्वर, क्रिकेट में सिल्वर मेडल हासिल किया।

आज हवाई पट्टी का निरीक्षण करने पहुंचेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

5 मई तक गंगा एक्सप्रेसवे पर वायुसेना का चलेगा पूर्व अभ्यास ,27 अप्रैल से 5 मई तक जलालाबाद सेक्शन में नो फ्लाइंग जोन, हवाई पट्टी से 5 किलोमीटर की रेंज में संदिग्धों पर पुलिस की पैनी नजर

शाहजहांपुर- जलालाबाद थाना क्षेत्र के दिउरा क्षेत्र में स्थित गंगा एक्सप्रेसवे पर बनाई गई आपातकालीन हवाई पट्टी का निरीक्षण करने आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाहजहांपुर पहुंच रहे हैं जहां 27 अप्रैल से ही इस

हवाई पट्टी को वायु सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा जहां मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर करीब एक सप्ताह से जिला अधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह और वायु सेवा के अधिकारियों के बीच कई बैठके हो चुकी हैं और सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं यहां 27 अप्रैल के बाद 5 मई तक भारतीय वायुसेना आपातकालीन लैंडिंग का अभ्यास करेगी। यह अभ्यास 27 अप्रैल से 5 मई 2025 तक चलेगा। इस दौरान वायुसेना के विमान दिन-रात उड़ान भरेंगे। और वहीं सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने जलालाबाद सेक्शन और उसके 5 किलोमीटर के दायरे को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया है। यह क्षेत्र ग्राम चमरपुर कलां, पीरू, दियुरा, भदोखर, खूटा और नगला तालुका खण्डहर को कवर करता है। इस अवधि में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून और माइक्रोलाइट विमानों की उड़ान पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। और वहीं थाना प्रभारियों को क्षेत्र में गश्त और निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।और वही बताया कि वायुसीमा उल्लंघन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय जनता और संस्थानों को इस आदेश की जानकारी दी जाएगी। संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी।और बही कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह आदेश सख्ती से लागू किया जाएगा। जिससे वायुसेना के अभ्यास को सुरक्षित माहौल मिल सकेगा।